Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 96 जयपुर, मंगलवार, 10 सितम्बर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

पित्रोदा ने कहा- राहुल के पास विजन, वो पप्पू नहीं

अमेरिका में राहुल बोले- सब कुछ मेड इन चाइना, इसलिए भारत में रोजगार की दिक्कत

संजीवनी टुडे

टेक्सास। राहुल गांधी विपक्ष के नेता के तौर पर पहली बार विदेश दौरे पर हैं। वे रविवार को अमेरिका के टेक्सास राज्य पहुंचे। यहां उन्होंने 2 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पहले उन्होंने डलास में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इसके बाद राहुल गांधी ने सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के छात्रों से भारतीय राजनीति, इकोनॉमी और भारत जोड़ो यात्रा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। राहुल ने कहा, ''भारत में सब मेड इन चाइना है। चीन ने प्रोडक्शन पर ध्यान दिया है इसलिए चीन में रोजगार की दिक्कतें नहीं हैं। कार्यक्रम में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, ''राहुल गांधी पप्पू नहीं है, वे पढ़े-लिखे हैं और किसी भी मुद्दे पर गहरी सोच रखने वाले स्ट्रैटजिस्ट हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में हुए कार्यक्रम में राहुल गांधी के साथ इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा (पीछे दाढ़ी में) भी पहुंचे। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के तौर पर जिम्मेदारी, भारत के आर्थिक हालात, रोजगार समेत 6 मुद्दों पर अपनी राय रखी। जानिए उन्होंने क्या कहा विपक्ष में अपने रोल पर...मेरा काम राजनीति में प्रेम लाना मेरा रोल संसद में सरकार के खिलाफ बोलना और उन्हें तानाशाह बनने से रोकने तक सीमित नहीं है। मुझे लगता है कि मेरा रोल भारत की राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता लाना है।

लाखों लोगों को लगा कि प्रधानमंत्री संविधान पर हमला कर रहे

आरएसएस को लगता है भारत एक विचार पर बना है। हमें लगता है कि भारत कई विचारों से मिलकर बना है। चुनाव में लाखों को लगा कि प्रधानमंत्री संविधान पर हमला कर रहे हैं। इसलिए चुनाव के वक्त जब मैंने संविधान हाथ में उठाया तो लोग समझ गए कि भाजपा हमारी परंपरा, भाषा, राज्यों और हमारे इतिहास पर हमला कर रही है। मैंने संसद में अपने पहले भाषण में अभय मुद्रा का जिक्र किया। भाजपा को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। वे इसे समझ नहीं पाए, लेकिन हम इसे समझाकर रहेंगी। चुनाव के बाद लोगों में भाजपा का डर खत्म हो गया। प्यार और सम्मान सिर्फ ताकतवर लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन सबके लिए जो देश को बनाने में जुटे हैं। अमेरिका की तरह भारत में भी कोई राज्य दूसरे से सुपीरियर (ताकतवर) नहीं है। कोई धर्म, भाषा किसी दूसरी भाषा से सुपीरियर नहीं है। लोगों के विचारों को उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या फिर इतिहास की परवाह किए बिना जगह दी जानी चाहिए।

सुनने का मतलब है खुद को दूसरे की जगह पर रखना

संसद में अच्छे से सुनकर और समझकर जवाब देना होता है। वहां जंग जैसी स्थिति होती है। लड़ना पड़ता है। कभी जंग मजेदार होती है तो कभी सीरियस हो जाती है। यह शब्दों की जंग होती है। पार्लियामेंट में अलग-अलग नेता आते हैं। बिजनेसमैन भी आते हैं। सभी पक्षों को सुनना होता है। बोलने से ज्यादा जरूरी सुनना भारतीय राजनीति में सुनना, बोलने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। सुनने का मतलब है खुद को दूसरे की जगह पर रखना। अगर कोई किसान मुझसे बात करता है तो मैं खुद को उनके रोजमर्रा के जीवन में शामिल करने की कोशिश करूंगा और समझूंगा कि वे क्या कहना चाह रहे हैं। सुनना बुनियादी बात होती है। इसके बाद किसी मुद्दे को गहराई से समझना होता है। हर एक मुद्दे को नहीं उठाना चाहिए। जिस मुद्दे को हम नहीं उठाना चाहते हैं, उसे भी अच्छी तरह से समझना चाहिए। राहुल गांधी ने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में कहा कि खुद के आइडिया को खत्म कर लोगों के बारे में सोचना ही देवता होना होता है। भारत जोड़ो यात्रा पर...लोगों तक पहुंचना था इसलिए पैदल चला भारत में कम्युनिकेशन के चैनल बंद हो गए थे। लोकसभा में बोलते थे तो वह टेलीविजन पर नहीं चलता था। मीडिया वह नहीं चलाता था, जो हम कहते थे। सब कुछ बंद था। लंबे समय तक हमें समझ नहीं आ रहा था कि जनता से कैसे बात करें। फिर हमने सोचा कि मीडिया हमें लोगों तक नहीं ले जा रहा था तो डायरेक्ट चले जाओ।

जयपुर की पहाड़ियों में 190 घंटे से युवक लापता

हाईकोर्ट ने होम सेक्रेटरी-डीजीपी समेत 5 से जवाब मांगा, पिता बोले-बेटा किसी की कैद में

संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर के नाहरगढ़ में चरण मंदिर घूमने गए दो भाइयों में से एक का 190 घंटे बाद भी कुछ पता नहीं चला है। इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने होम सेक्रेटरी, डीजीपी समेत पांच लोगों को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने 20 सितंबर तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। दरअसल, 1 सितंबर को राहुल पाराशर (21) और उसका भाई आशीष (19) चरण मंदिर घूमने निकले थे। यहां दोनों रास्ता भटक गए थे। परिजन की शिकायत पर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया तो अगले दिन (2 सितंबर को) नाहरगढ़ की पहाड़ियों में आशीष का शव मिला था। लेकिन, पुलिस इस मामले में अब तक राहुल का पता नहीं लगा पाई है।

इसी मामले को लेकर राहुल के पिता सुरेश चंद्र शर्मा ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लगाई थी। सोमवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अधिकारियों को तलब किया है। राहुल का पता लगाने के लिए पुलिस ने नाहरगढ़ की पहाड़ियों में हेलिकॉप्टर से भी सर्च किया था। लेकिन, राहुल का कोई सुराग नहीं मिला। याचिका में पिता ने कहा था- मेरा बेटा राहुल किसी की कैद में है। उसकी जान को खतरा हो सकता है। ऐसे में पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए जाएं कि उसकी

तलाश करके उसे कोर्ट के सामने पेश किया जाए। याचिका में डीजीपी, गृह सचिव, एडीजी, मानव तस्करी विरोधी, पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर उत्तर और शास्त्रीनगर एसएचओ को पक्षकार बनाया गया था। सोमवार को जज इंद्रजीत सिंह की खंडपीठ में इसकी सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के वकील गिरिराज प्रसाद शर्मा ने बताया- इस मामले में परिजन ने समय पर पुलिस को इन्फॉर्म कर दिया था। पुलिस की लापरवाही और उदासीनता की वजह से समय पर सर्च नहीं किया गया। पुलिस और प्रशासन की ढिलाई की वजह से और जवाब नहीं देने पर हाईकोर्ट की शरण ली गई। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस से प्रोग्रेस रिपोर्ट तलब की है। साथ ही कोर्ट ने पांचों अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए 20 सितंबर तक जवाब मांगा है।

विनेश फोगाट के फैसले से ताऊ महावीर नाराज: बोले

राजनीति 2028 के बाद कर लेती, जल्दबाजी की, बृजभूषण बोले- उसे सीएम फ़ेस घोषित करे कांग्रेस

संजीवनी टुडे

रेवाड़ी। हरियाणा की पहलवान विनेश फोगाट के ताऊ द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित महावीर फोगाट उनके राजनीति में उतरने के फैसले से नाराज हैं। महावीर का कहना है कि विनेश ने राजनीति में जाने का फैसला जल्दबाजी में लिया है। वह नेता तो बन जाएगी, लेकिन ओलिंपिक मेडलिस्ट नहीं कहलाएगी। वहीं, पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा है- विनेश फोगाट हरियाणा की मुख्यमंत्री बन जाए। मैं तो कहता हूं कि विनेश को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनाव लड़ाना चाहिए। इतनी दबंग लेडी है, जो ट्रायल नहीं होने देती, हारी हुई कुश्ती को जीत लेती है। विनेश फोगाट ने ओलिंपिक में कुश्ती के फाइनल से डिस्क्वालिफाई होने के बाद कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद बीते शुक्रवार को उन्होंने कांग्रेस पार्टी जॉइन कर ली। महावीर कहते हैं कि विनेश को 2028 के ओलिंपिक का इंतजार करना चाहिए था। इस बार वह यकीनन विजेता बनती। महावीर फोगाट कहते हैं, 'राजनेता को लोग 5 साल में भूल जाते हैं। एक ओलिंपिक पदक विजेता को हमेशा याद रखा जाता है। अगर उसे राजनीति करनी भी थी तो वह 2028 का ओलिंपिक खेलने के बाद भी कर सकती थी। अभी उसकी उम्र सिर्फ 30 साल है। उसने देश वासियों के सपने को पूरा नहीं किया और

कांग्रेस ने उन्हें जींद जिले की जुलाना विधानसभा सीट से उम्मीदवार भी बना दिया है। वहीं, उनके साथ ही कांग्रेस में शामिल हुए बजरंग पूनिया को पार्टी ने ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का वर्किंग प्रेसिडेंट बनाया है। विनेश भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों से जुड़े आंदोलन की अगुआई करने वालों में शामिल थीं। कांग्रेस में शामिल होने से पहले दोनों पहलवानों ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी। कांग्रेस में शामिल होकर चुनाव लड़ने के बारे में विनेश फोगाट ने कहा कि बजरंग पूनिया के साथ चुनाव लड़ने को लेकर कोई बात नहीं हुई थी। हमने यह कांग्रेस पार्टी पर छोड़ा था और उन्होंने फैसला कर दिया। बजरंग को जो ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का वर्किंग चेयरमैन बनाया गया है।

विनेश को कांग्रेस ने जुलाना से कैंडिडेट बनाया

इससे पहले बीते रविवार को रेसलर विनेश फोगाट ने पहली बार पेरिस ओलिंपिक में 100 ग्राम बढ़े वजन से मेडल से चूकने के बारे में बात की। विनेश ने दावा किया कि मेडल को लेकर उनके पास कानूनी विकल्प था। यह उन्हें भारतीय डेलिगेशन नहीं, बल्कि एक दोस्त ने बताया था। विनेश ने यह भी कहा कि भाजपा वालों ने ओलिंपिक मेडल को मेरा मेडल समझा। मेरी कोई मदद नहीं की गई। विनेश 6 सितंबर को ही कांग्रेस में शामिल हुई हैं।

एयरफोर्स-नेवी और आर्मी के वाइस चीफ ने उड़ाया तेजस

45 मिनट तक भरी उड़ान, बोले- ये दुनिया के किसी भी फाइटर जेट से कम नहीं

संजीवनी टुडे

जोधपुर। भारतीय वायु सेना के सबसे बड़े अभ्यास 'तरंग-शक्ति' के 11वें दिन (सोमवार को) देश की तीनों सेनाओं (जल-थल-वायु) के वाइस चीफ ने तेजस में उड़ान भरी। उन्होंने तेजस की खूबियां परखी, साथ ही इसे चलाने की बारीकियों को समझा। तीनों वाइस चीफ ने करीब 45 मिनट तक आसमान में गरजते तेजस में उड़ान भरी। उड़ान के बाद आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया- तेजस से हमारा देश आत्मनिर्भर हुआ है। मेरा मानना है कि दुनिया के किसी भी एयरक्राफ्ट से तेजस कम नहीं है। इसकी हैंडलिंग कैपेबिलिटी शानदार है। एयरफोर्स के वाइस चीफ ने सिंगल-सीटर एलसीए तेजस लड़ाकू विमान उड़ाया। नेवी और आर्मी के वाइस चीफ ने एलसीए तेजस के ट्विन-सीटर ट्रेनर वर्जन में पायलट संग उड़ान भरी। सोमवार को हुई प्रैक्टिस में एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह, नेवी के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन और आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि जोधपुर एयरबेस पहुंचे। इसके बाद तीनों ने लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। एयरफोर्स के एयर मार्शल एपी सिंह ने सिंगल-सीटर एलसीए तेजस लड़ाकू विमान उड़ाया।

8 देशों के एयरफोर्स चीफ तेजस उड़ाएंगे

12 सितंबर को इस एक्सरसाइज में हिस्सा ले रहे भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, ग्रीस, श्रीलंका, यूएई और जापान के एयर चीफ मार्शल जोधपुर पहुंचेंगे। इस दौरान सभी एयरफोर्स चीफ तेजस और सुखोई में उड़ान भरेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी 12 सितंबर को जोधपुर आ सकते है।

2 दिन पहले हुआ ओपन-डे शो

इससे पहले 7 सितंबर को तरंग-शक्ति अभ्यास में ओपन-डे शो हुआ। आसमान में भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई-30, तेजस और हेलिकॉप्टर प्रचंड ने करतब दिखाए। सूर्यकिरण के 9 हॉक्स विमान ने आसमान में तिरंगा बनाया और दर्शकों को रोमांचित किया। इंडियन एयरफोर्स की एयर वॉरियर ड्रिल टीम के 28 मेंबर ने हाथ में राइफल लेकर म्यूजिक पर परफॉर्मेंस दी। इस दौरान उन्होंने राइफल से करतब दिखाते हुए डिफरेंट फॉर्मेशन बनाई। एयर वॉरियर ड्रिल टीम सुब्रतो इंडियन एयरफोर्स की इवेंट टीम है। इससे पहले एयरफोर्स स्टेशन पर भारत सहित 24 देशों के 400 जवानों ने सामूहिक योग किया। एयरफोर्स स्टेशन पर हरक्यूलिस सी-130 विमान के सामने यूएई, सिंगापुर, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, जापान, अमेरिका और श्रीलंका के जवानों ने प्राणायाम और आसन किए।

हुड्डा के समधी का कांग्रेस हाईकमान को चैलेंज

संजीवनी टुडे

बिना टिकट मिले पार्टी कैंडिडेट के तौर पर नामांकन भरा, पूर्व सीएम कार्यालय उद्घाटन में पहुंचे

पलवल। हरियाणा के पूर्व कांग्रेसी मंत्री करण सिंह दलाल ने बिना टिकट मिले सोमवार को पलवल विधानसभा सीट से कांग्रेस कैंडिडेट के तौर पर नामांकन भर दिया। कांग्रेस हाईकमान ने अभी इस सीट पर उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। करण दलाल हुड्डा के समधी हैं। वह लोकसभा चुनाव में फरीदाबाद से टिकट न मिलने के बाद से नाराज चल रहे थे। हालांकि चुनाव अधिकारी ने उनका नामांकन लेने के बाद 12 सितंबर तक पार्टी का आधिकारिक पत्र जारी कराने को कहा है। ऐसा न होने की सूरत में उनका नामांकन खारिज कर दिया जाएगा। इसको लेकर करण दलाल ने कहा कि मैं लंबे समय से पार्टी से जुड़ा हूं। विधायक भी रह चुका हूं। पलवल सीट से मेरे अलावा 2 नाम और हैं। वह इलाके के लिए नए हैं। मुझे उम्मीद है कि टिकट मुझे ही मिलेगी। टिकट पर उन्होंने कहा कि उनका टिकट कन्फर्म हो चुका है, केवल पत्र मिलना बाकी रह गया है, 3-4 दिन में वह पत्र भी आ जाएगा तो उसे जमा करवा देंगे। नामांकन के बाद दलाल ने कार्यालय का उद्घाटन किया। जिसमें पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी पहुंचे। जून महीने में करनाल विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भूपेंद्र हुड्डा ने तरलोचन सिंह को टिकट मिले बिना उनका नामांकन भरवा दिया था। हालांकि बाद में टिकट भी उन्हें ही मिली थी। कांग्रेस नेता करण दलाल ने दावा किया कि उन्हें पार्टी नेताओं से टिकट का इशारा मिल चुका है। इसी को लेकर उन्होंने कांग्रेस पार्टी के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। करण सिंह दलाल सोमवार को सुबह साढ़े दस बजे अपने काफिले के साथ हुड्डा सेक्टर-2 चौक से जिला सचिवालय के लिए रवाना हुए। उनके साथ इतनी भीड़ थी कि उन्हें अपने सजाए हुए रथ पर चढ़ने का मौका भी नहीं मिल पाया। पांच किलोमीटर तक वह पैदल ही लोगों के साथ चलते रहे। इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, ''पलवल को हम गुरुग्राम बनाना चाहते थे।

कोलकाता रेप-मर्डर केस: सुप्रीम कोर्ट ने कहा

ड्यूटी पर तुरंत लौटें डॉक्टर, कल शाम 5 बजे तक जॉइन नहीं किया तो राज्य सरकार कार्रवाई करे

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली/कोलकाता। आरजी कर अस्पताल में हुई रेप और मर्डर की घटना के विरोध में 8 सितंबर को लोगों ने 'रिक्लेम द नाइट' कैंपेन के तहत प्रदर्शन किया और सड़कों पर 'जस्टिस फॉर आरजी कर' स्लोगन पेंट किए। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर केस में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। एक्कडीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने तीन मुद्दों - एउक्रजांच रिपोर्ट, डॉक्टरों की हड़ताल और सीआईएसएफ जवानों की सुविधाओं पर सुनवाई की। सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट में कई बातें सामने आईं। कोर्ट ने कहा कि, एफआईआर में 14 घंटे की देरी हुई है। वहीं कुछ जरूरी दस्तावेज भी गायब हैं। ऐसे में मामला गड़बड़ लगता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को मिसिंग डॉक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया। वहीं हड़ताल को लेकर कोर्ट ने डॉक्टरों से तुरंत काम पर लौटने को कहा है। एक्कने कहा, 'अगर मंगलवार शाम 5 बजे तक डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं लौटें तो उनके खिलाफ राज्य सरकार को कार्रवाई करने से नहीं रोका जा सकता।

डॉक्टरों का पेशा ही मरीजों की सेवा करना

डॉक्टरों के हड़ताल पर जाने से 23 लोगों की जान चली गई। 6 लाख लोगों को इलाज नहीं मिला। रेजिडेंट डॉक्टर ओपीडी में नहीं आ रहे। 1500 से अधिक रोगियों की एंजियोग्राफी नहीं की गई। डॉक्टरों को काम पर वापस जाने के लिए कहा गया। अब यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यदि वे काम पर नहीं आते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डॉक्टरों का पेशा ही मरीजों की सेवा करना है।' उधर सीआईएसएफ जवानों की सुविधाओं पर कोर्ट ने राज्य के गृह सचिव को आदेश दिया कि सभी जवानों को रहने के लिए घर मुहैया कराया जाए। ये जवान अस्पताल की सुरक्षा के लिए आए हैं। उनको अतिरिक्त सुरक्षा उपकरण भी दिए जाएं। केस की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। लेकिन डॉक्टरों को धमकियां मिल रही हैं। इनमें से कई डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया और इसलिए उन्हें धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर डॉक्टर कल शाम 5 बजे या उससे पहले ड्यूटी पर रिपोर्ट करते हैं तो उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि अगर डॉक्टर लगातार काम से दूर रहते हैं तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- एक और रेप का इंतजार नहीं कर सकते इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने 20 अगस्त को इस मामले की सुनवाई की थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा- व्यवस्था में सुधार के लिए हम एक और रेप का इंतजार नहीं कर सकते। डॉक्टर्स की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए टास्क फोर्स बना रहे हैं।

भारत में मंकीपॉक्स का पहला केस मिला

लेकिन ये वह स्ट्रेन नहीं, जिस पर दुनिया में अलर्ट, स्वास्थ्य मंत्रालय ने एडवायजरी भी जारी की

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। देश में मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिला है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार (9 सितंबर) को इसकी पुष्टि की है। मंत्रालय ने बताया कि विदेश से लौटे एक व्यक्ति को 8 सितंबर को मंकीपॉक्स के संदेह में आइसोलेशन में रखा गया था। सैंपल लेकर जांच कराई गई, जिसमें मंकीपॉक्स के स्ट्रेन वेस्ट अफ्रीकन क्लेड 2 की पुष्टि हुई है। लेकिन ये स्ट्रेन डब्लयूएचओ की ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी में शामिल स्ट्रेन क्लेड1 नहीं है। 2022 में क्लेड 2 के 30 केस मिले थे। आज ही केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने मंकीपॉक्स को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की। चंद्रा ने कहा- मंकीपॉक्स के खतरे को रोकने के लिए सभी राज्यों को हेल्थ एक्शन लेना चाहिए। राज्यों को मंकीपॉक्स पर स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के मंकीपॉक्स पर जारी सीडी-अलर्ट (कम्यूनिकेवल डिजीज अलर्ट) पर एक्शन लेना चाहिए। इसके अलावा राज्यों को अपनी स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा करनी चाहिए। सीनियर अधिकारियों को जिलों की स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेना चाहिए। डब्लयूएचओ के मुताबिक, मंकीपॉक्स के ज्यादातर मामले युवा पुरुषों में सामने आए हैं, जिनकी औसत आयु 34 वर्ष (सीमा 18-44 वर्ष) है। सबसे ज्यादा मामले सेक्सुअल कॉन्टेक्ट से संक्रमण के हैं। इसके बाद जिसके बाद पर्सन-टू-पर्सन नॉन सेक्सुअल कॉन्टेक्ट के मामले हैं। आइसोलेशन में मौजूद व्यक्ति की हालत ठीक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि आइसोलेशन में मौजूद व्यक्ति की हालत ठीक है। उसके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है। चिंता करने की कोई बात नहीं है। प्रोटोकॉल के तहत व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों की ट्रेसिंग कराई गई है। उसकी ट्रैवल हिस्ट्री भी निकाली गई।

मणिपुर राजभवन पर पथराव, 20 घायल

सुरक्षाकर्मी जान बचाकर भागे, ड्रोन हमलों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स

संजीवनी टुडे

इंफाल। मणिपुर की राजधानी इंफाल में सोमवार को सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स ने राजभवन पर पत्थरबाजी की। इस दौरान सुरक्षाकर्मी भागते दिखे। पुलिस और सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड लगाकर रोका। कई राउंड आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट दागे। इसमें 20 स्टूडेंट्स घायल हो गए। मैतेई समुदाय के ये छात्र मणिपुर में अचानक बढ़ी हिंसक घटनाओं को लेकर 8 सितंबर से प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें स्थानीय लोग भी शामिल हैं। रविवार को किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और एख्र हाउस तक पहुंच गए। ये गवर्नर और एख्र को ज्ञापन सौंपना चाहते थे। सोमवार को सुरक्षाबलों ने ज्ञापन सौंपने की मांग पूरी कर दी, इसके बाद भी स्टूडेंट्स सड़क पर प्रदर्शन करते रहे। स्टूडेंट्स का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक वे यहां डटे रहेंगे। इस दौरान उनकी सुरक्षाबलों के साथ झड़प भी हुई। स्टूडेंट्स 1 और 3 सितंबर को मैतेई इलाकों में हुए ड्रोन हमलों का विरोध कर रहे हैं।

जिरिबाम में दो हमले, 5 की मौत

पहली घटना जिला हेडक्वार्टर से करीब 7 किमी दूर हुई। यहां संदिग्ध पहाड़ी उग्रवादियों ने एक घर में घुसकर बुजुर्ग को सोते समय गोली मार दी। वे घर में अकेले रहते थे। दूसरी घटना में कुकी और मैतेई लोगों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हुई। उन्होंने सेंट्रल फोर्सेस पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए उनसे राज्य छोड़कर जाने की मांग की। साथ ही राज्य के 60 में से 50 मैतेई विधायकों से अपना रुख स्पष्ट करने या इस्तीफा देने को कहा। इन स्टूडेंट्स ने यह भी डिमांड की है कि राज्य में यूनिफाइड कमांड की कमान मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को दी जाए। यानी, सेंट्रल और स्टेट फोर्स की कमान केंद्र की बजाय मुख्यमंत्री के पास हो। ये लोग डीजीपी और सिक्योरिटी एडवाइजर को हटाने की भी मांग कर रहे हैं। बीते 7 दिनों में हिंसा बढ़ी, 8 लोगों की मौत हुई मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा जारी है। बीते 7 दिनों से हिंसा बढ़ गई है। इसमें 8 लोगों की मौत हुई है। 15 से ज्यादा घायल हैं। हाल ही में मणिपुर में ड्रोन से भी हमले हुए हैं।

खबरें फटाफट

तलाई में पैर फिसलने से युवक की मौत

संजीवनी टुडे

रैणी(अलवर)। क्षेत्र में सोमवार को गांव कोड़िया में एक युवक की तलाई में डूबने से मौत हो गई। रैणी थाना अधिकारी प्रेमलता वर्मा ने बताया कि गांव कोड़िया की तलाई में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। कोडिया गांव निवासी राजेश अपनी भैंस चराने खेतों पर जा रहा था तभी भैंस भागने लगी उनको रोकने के प्रयास में पैर फिसलने से तलाई में जा गिरा, डूबने के कारण उसकी मौत हो गई। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रैणी के चिकित्सक डॉ कौशल किशोर लाटा ने बताया कि युवक को मृतक अवस्था में अस्पताल लाया गया। युवक के हाथ पैर टूटे हुए थे। जिसका पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

राजकीय महाविद्यालय में आयोजित रोजगार मेले में 11 विद्यार्थियों का हुआ चयन

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा रोजगार मेले का आयोजन प्राचार्य डॉ के एल मीना के निर्देशन में किया गया। कैंपस सलेक्शन की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में विद्यार्थियों की कुशलता, तकनीकी ज्ञान और प्रबंधन कला को परखा गया, साथ ही इंटर्नशिप एवं संबंधित तकनीक आधारित अनुभव पर कंपनी ने खासा जोर दिया। एनआईआईटी एंजेसी के निशांत गुप्ता व ज्योति नागर के द्वारा रोजगार से संबंधित योग्यता अनुभव के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। एजेंसी द्वारा चयन प्रक्रिया में महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के क्षेत्र 76 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिनमें से 11 विद्यार्थियों का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों को आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक में ट्रेनिंग प्रक्रिया के बाद चयन की सुविधा प्रदान की जाएगी। प्राचार्य ने बताया कि प्लेसमेंट सेल द्वारा इस प्रकार की चयन प्रक्रिया वर्ष पर्यंत विद्यार्थी हित में होती रहेगी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ योगेंद्र सेहरा एवं डॉ सुबोध शर्मा रहे एवं संचालन डॉ आंचल मीणा द्वारा किया गया।

वासुदेव कागा ने धनाऊ सीडीपीओ का पदभार ग्रहण किया

संजीवनी टुडे

धनाऊ। धनाऊ तहसील मुख्यालय सोमवार को धनाऊ महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी का पदभार वासुदेव कागा ने ग्रहण किया। इस मौके पर सेड़वा सीडीपीओ हरखाराम मेघवाल ने माला पहना कर उनका स्वागत किया इस मौके पर सीडीपीओ वासुदेव कागा ने कहा कि पदाधिकारी के रूप में आईसीडीएस योजनाओं को धरातल पर लागू करना उनकी प्राथमिकता रहेगी और आमजन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे । उन्होंने विभागीय निर्देशानुसार गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, किशोरी बालिकाओं व शाला पूर्व शिक्षा के लाभार्थियों की योजनाओं को सरकारी मापदंड अनुसार पूर्ण करने के निर्देश भी जारी किये इस दौरान विभाग की सुपरवाइजर मीना देवी, ब्लॉक कोर्डीनेटर कुर्बान खान, कैलाश कागा, किशन कागा, विष्णु कागा, सहित कई लोग मौजूद रहे।

आईआईएस यूनिवर्सिटी में हुआ अमेरिका में अध्ययन एवं छात्रवृत्ति के अवसर विषयक एक अहम सेशन

संजीवनी टुडे

जयपुर। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के आईआईएस--टीआईई (द इंटरनेशनल सेल) की ओर से यूनिवर्सिटी कैंपस में सोमवार को अमेरिका में अध्ययन एवं छात्रवृत्ति के अवसर विषयक एक जानकारीपूर्ण सेशन आयोजित किया गया। इस अहम सेशन में अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली और एजुकेशन यूएसए के परामर्शदाताओं ने अमेरिका में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्रवेश, वीजा प्रक्रिया, वित्त पोषण और छात्रवृत्ति के अवसरों की तलाश करने जैसे अहम बिन्दुओं पर चर्चा की। इससे पहले टीम का आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के चांसलर डॉ. अशोक गुप्ता ने अभिनंदन किया। सेशन में एजुकेशन एंड इमर्जिंग वॉयस पोर्टफोलियो के पब्लिक डिप्लोमेसी ऑफिसर एडेल गिलन-, काउंसलर ऑफिसर बेंजामिन स्टील, वरिष्ठ सलाहकार एजुकेशन यूएसए रूपाली वर्मा, वीजा एक्सपर्ट अंकित वाजपेयी, पब्लिक डिप्लोमेसी सेक्शन में शिक्षा समन्वयक डॉ. नीतू -ने हिस्सा लिया। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के वाइस चांसलर डॉ. टीएन माथुर, रजिस्ट्रार -डॉ. राखी गुप्ता और डीन डॉ. जॉन और डॉ. इला जोशी ने भी टीम का का गर्मजोशी से स्वागत किया।

जिला कलक्टर ने अलवर शहर की साफ-सफाई व विकास कार्यों का किया निरीक्षण

शहर की सफाई व्यवस्था की अब सीसीटीवी कैमरों से भी होगी मॉनिटरिंग

संजीवनी टुडे

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने सोमवार को प्रातः शहर का सघन दौरा कर साफ-सफाई व्यवस्था, सडकों एवं विकास कार्यों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने शहर का दौरा नेहरू गार्डन के पास से प्रारम्भ किया और उसके पश्चात नंगली सर्किल स्थित एसबीआई बैंक के पास, मन्नी का बड स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के बाहर, बस स्टेण्ड के मुख्य द्वार, पुरूषार्थी धर्मशाला एवं कोतवाली के बाहर का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इन स्थानों पर कचरा फैला हुआ मिलने व गड्डों में पानी भरा मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कार्यवाहक नगर निगम आयुक्त पर को निर्देश दिये कि तीन दिन में इन स्थानों की पूर्ण साफ-सफाई करावे। इन स्थानों पर पुनः निरीक्षण कराया जाएगा। यदि साफ-सफाई में लापरवाही पाई गई तो कडी अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने निर्देश दिये कि नगर निगम साफ-सफाई कार्य के साथ-साथ स्वच्छता जागरूकता की गतिविधियां भी करें। जिला कलक्टर ने तांगा स्टैण्ड स्थित पार्किंग स्थल गंदगी मिलने पर निर्देश दिये कि सात दिवस में पार्किंग स्थल को सुव्यवस्थित करावे। यहां एक कोने में टीन की दीवार बनाकर अस्थाई कचरा संग्रहण की व्यवस्था करे। सुनिश्चित करें कि इससे बाहर कचरा बिलकुल नहीं फैले तथा यहां पानी व किचड का जमाव नहीं होवे।

उन्होंने दुकानदारों से बातचीत कर साफ-सफाई व्यवस्था का फीडबैक लिया जिसमें उन्होंने शौचालय बनाने की आवश्यकता बताई व कचरा संग्रहण हेतु

ऑटो टिपर अनियमित आने से अवगत कराया। इस पर उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि ऑटो टिपर घरों के साथ-साथ दुकानों से भी नियमित कचरा संग्रहण करें। खराब ऑटो टिपरों को अविलम्ब दुरूस्त कराकर काम में लेवे तथा उन्होंने यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि महिला व पुरूष शौचालय हेतु स्थान चिन्हित कर प्रस्ताव बनावे। उन्होंने दुकानदारों से कहा कि अपने कचरे पात्रा से कचरा निर्धारित स्थान पर ही डाले तथा दुकान पर आने वाले लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें।जिला कलक्टर ने तिलक मार्केट के निरीक्षण के दौरान वहां स्थित शौचालय गन्दा मिलने पर उन्होंने निर्देश दिये कि शहर के सभी शौचालयों की नियमित साफ-सफाई करावे। उन्होंने सडक के किनारों बने हुए गड्डों को भरवाने तथा उनका लेवल नाली की तरफ करने के निर्देश दिये। उन्होंने अम्बेडकर नगर के सामने स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि सुनिश्चित करें कि कचरा ट्रांसफर स्टेशन की बाउंड्री से बाहर बिलकुल नहीं फैले तथा यहां से कचरे का नियमित उठाव करावे। कचरे के परिवहन के दौरान कचरे को लाने वाले वाहन को ढकवाना सुनिश्चित करावे। उन्होंने कालीमोरी आरयूबी का निरीक्षण कर पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि रेलवे से समन्वय करके एनओसी जारी करावे तथा पीडब्ल्यूडी स्तर पर किए जाने वाले कार्य प्रारम्भ करावे जिसमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अम्बेडकर नगर में यूआईटी के द्वारा प्रस्तावित कन्वेंसन सेंटर की भूमि का अवलोकन कर ले-आउट प्लान को मौके पर देखकर उन्होंने यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि कन्वेंसन सेंटर की बनाई गई कार्य योजना को प्रस्तुत करें। जिला कलक्टर ने डीओआईटी के संयुक्त निदेशक को निर्देशित किया है कि अभय कमाण्ड के तहत शहर में लगाए गए हाई रेजुलेशन कैमरों के माध्यम से शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग की जावे। इस हेतु कार्य योजना तैयार कर उसे अविलम्ब प्रारम्भ करे। इस दौरान एडीएम शहर बीना महावर, यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता तैयब खान, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता एम.एल मीना व अधिशाषी अभियन्ता अल्का व्यास, नगर निगम के कार्यवाहक आयुक्त युवराज युधिष्ठिर मीणा, खेमराज मीणा, दिनेश चंद सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विकलांग परिवार का सहारा बना सोशल मीडिया

संजीवनी टुडे

रैणी । तहसील के गांव खुर्द, पंचायत भूलेरी में स्व. पप्पूराम मीना खुर्द की हार्ट अटैक की बीमारी के कारण आकस्मिक निधन हो जानें से परिवार में उनकी धर्मपत्नी और पुत्र जो की दोनों ही विकलांग हैं, बिल्कुल बेसहारा हों गए। स्व.पप्पूराम जैसे तैसे अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था लेकिन विधाता को कुछ ओर ही मंजूर था। पीड़ित परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए ग्रामवासियों ने सोशल मीडिया पर एक सहायता मिशन चलाया जिसमें ग्रामवासी, ट्राइबल ऑफिसर एसोसिएशन अरावली विचार मंच,सर्व समाज नवयुवक हेल्प टीम तथा सर्व समाज के बंधुओ ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। सुखराम जेटीओ तथा सुखदेवा गुरुजी ने मीडिया को बताया कि इस मिशन में उच्चतम सहयोगकर्ता रामफूल मीना भूलेरी पूर्व सरपंच 21000 , मुरारी लाल खुर्द चीफ इंजीनियर 11000, राजेंद्र कुमार सुपुत्र हरजीत कुमार 10000, विक्की कपूरथला पंजाब 10000, हंसराज, 7100, रामप्रसाद सुपुत्र सांवलमल खुर्द 6100 व ट्राइबल ऑफिसर एसोसिएशन

अरावली विचार मंच आदि का रहा है। इस मिशन में कुल सहयोग राशी 258483 रुपए रही। जो राशी उपस्थित सदस्यों ने एफडी कराने व घर खर्च हेतु सुपुर्द की। मिशन में मुरारी लाल खुर्द चीफ इंजीनियर, मदन लाल खुर्द एयरपोर्ट, हरिप्रसाद गुरुजी,हरिओम रेलवे,चेतराम खुर्द, नरसी रेलवे जगसोली, गणधारी थानेदार डाबला टीम अध्यक्ष,घनश्याम, मुकेश फौजी आदि की सक्रिय भूमिका के साथ मिशन समापन पर आदिवासी सेवा संस्थान के लल्लू राम गुरुजी, सुखराम खुर्द जेटीओ, सुखदेवा मास्टर करनावर,घनश्याम खुर्द, बनवारी, जगराम, मुरारी लाल, बाबूलाल, जंगलीराम, खेमराज, रामभरोशी खुर्द, धर्मसिंह खुर्द,खेमराज, नारायण आदि सर्व समाज के बंधु, खुर्द ग्रामवासी, रिश्तेदार व नवयुवक हेल्प टीम के सदस्य उपस्थित रहें।

झाकड़ा गांव की तलाई में डूबने से एक युवक की मौत

संजीवनी टुडे

रैणी(अलवर)। थाना क्षेत्र के झाकड़ा गांव की ग्वाला तलाई में एक युवक के डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अलवर करौली नेशनल हाईवे सड़क मार्ग स्थित गढी सवाईराम व झाकड़ा के मध्य बनी ग्वाला तलाई में रविवार देर रात झरने में झाकड़ा निवासी राकेश मीणा पुत्र स्व. सुखपाल मीणा 26 वर्षीय नशे की हालत में तलाई पर आया और दिवार पर पैर लटका कर बैठ गया। वहां नहा रहे लोगों को देखता-देखता पानी में खिसक गया। आनन फानन में लोगों ने गोते लगाकर उसे बाहर निकालकर गढी सवाईराम अस्पताल पहुंचाया जहां डा. केसी मीणा ने उसे मृत घोषित कर दिया अलवर करौली नेशनल हाइवे सड़क किनारे बनी तलाई व बहते झरने में हर किसी का नहाने का मन जरूर करता है लेकिन सुरक्षा के इंतजाम भी होना बहुत जरूरी है। एक तरफ सड़क दूसरी ओर गहरी तलाई ना जाने कब हो जाए हादसे। यहां से निकलने वाला हर सख्श सेल्फी लेकर अपनी आगे की यात्रा प्रारंभ करता है।

सरिस्का का नाम बदलकर रखा जाए भर्तृहरि सरिस्का अभ्यारण: नेता प्रतिपक्ष जूली

संजीवनी टुडे

अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने लोक देवता महाराजा भर्तृहरि के तीन दिवसीय मेले के उद्घाटन के दौरान कहा कि आज केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव और वन राज्य मंत्री संजय शर्मा दोनों ही मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि जन जन की आस्था को देखते हुए सरिस्का अभ्यारण का नाम बदलकर भर्तृहरि सरिस्का अभ्यारण कर दे। इससे आमजन में ख़ुशी होंगी। उनकी इस मांग का आमजन ने ताली बजाकर समर्थन किया। जूली ने कहा कि देश ही नहीं अपितु विदेश में बाबा भर्तृहरि का नाम होगा। मेले के उद्घाटन समारोह में जूली ने कहा कि भर्तृहरि धाम की मान्यता अलवर जिले में ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों तक है। बाबा भर्तृहरि सबकी मनोकामना पूरी करते हैं। उन्होंने कहा कि लोग यहां सुख समृद्धि की कामना लेकर आते हैं। टीकाराम जुली ने कहा कि अलवर ग्रामीण के मालाखेड़ा

उपखंड क्षेत्र के आध्यात्मिक पौराणिक प्राचीन अविरल गंगा बाबा भर्तृहरि ने अपने तप से पहाड़ में जागृत की, हजारों वर्षों से यह गंगा बह रही है। बाबा की कृपा तभी से क्षेत्र पर बनी हुई है। जूली ने बाबा भर्तृहरि के श्री चरणों में ध्वज अर्पित किया। उसके बाद परिक्रमा कर मूर्ति को साफा बंधवाकर सुख समृद्धि की कामना की। मेला कमेटी की ओर से जूली का साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष हिम्मत सिंह चौधरी, राजेंद्र व्यास,सरपंच सुशीला देवी, डेयरी चेयरमैन विश्राम गुर्जर,ब्लॉक अध्यक्ष जफरू खान,पर्यावरण प्रेमी राजेश कृष्ण सिद्ध, पेमाराम सैनी,राहुल पटेल, जय किशन, सुनील कुमार, धारा सिंह,सैकूल सिंगल, हरकेश मीणा,सोमनाथ नरूका सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भजनलाल सरकार भर्तृहरि की तपोस्थली को पूर्ण रूप से विकसित करेगी: भूपेंद्र यादव

संजीवनी टुडे

अलवर। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को सुबह 9 बजे पांडुपोल हनुमान जी मंदिर पहुंचे, जहां पूजा अर्चना कर तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ किया। सरिस्का गेट से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा सरिस्का गेट से जिप्सी में सवार होकर पांडुपोल हनुमान मंदिर पहुंचे। इस दौरान रास्ते में उन्होंने जगह-जगह सरिस्का जंगल का जायजा भी लिया। पांडुपोल हनुमान मंदिर पहुंचकर मंत्री यादव ने पूजा अर्चना की ओर तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ किया और देश में सुख शांति की बनाये रखने की मंगल कामना की। उसके बाद केंद्रीय मंत्री यादव जी भर्तृहरि धाम मंदिर पहुंचे, जहां बाबा के धोक लगाकर हवन यज्ञ किया, और भर्तृहरि बाबा के तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर मेला कमेटी के द्वारा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और राज्य वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि राजस्थान में भजनलाल सरकार में भर्तृहरि की तपोस्थली को पूर्ण रूप से विकसित किया जाएगा। इसके लिए राजस्थान सरकार ने अपने बजट में विशेष प्रावधान कर राशि मंजूर की है। केंद्रीय

मंत्री यादव ने कहा कि मेले में दूर-दूर से लोग आते हैं, और लोक देवता भर्तृहरि ने तीन बड़ी किताबें लिखी है, एक किताब में सामाजिक जीवन को किस तरीके से जिया जाता है। दूसरी किताब में राज धर्म किस तरीके से निभाया जाता है, और तीसरी पुस्तक में वैराग्य को लेकर वैराग्य शतक लिखा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं लेकिन परेशान व्यक्ति को शक्ति भगवान के केंद्र से ही मिलती हैं। उन्होंने कहा कि में चुनाव प्रचार के दौरान भी आया और इसी की बदौलत है कि में चुनाव जीता और चुनाव जीतने के बाद भर्तृहरि मेले में आया हूं मेरा सौभाग्य है। सबसे बड़ा मेला है, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि दूर-दूर से लोग आते हैं। अपने मन की बात रखते हैं और जीवन को अच्छा जीने के लिए मंगल कामना करते हैं। भर्तृहरि बाबा उनकी मनोकामना पूर्ण करता है। उन्होंने कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर भर्तृहरि का विकास करना है, इस स्थान को विकसित करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि बिगत दिनों सरिस्का के मुद्दों को लेकर उन्होंने समीक्षा बैठक की थी जिसमें विकास के मुद्दे भी रखे थे, और प्रेरणा का केंद्र भर्तृहरि धाम है। इसको विकसित करना है तो सरिस्का संबंधित थी जितने भी मुद्दे हैं उनको निपटाया जाएगा। अलवर के विकास का सामूहिक संकल्प लिया गया है भर्तृहरि धाम में सभी सुविधाएं जुटाई जायेंगी। इस अवसर वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि यहां की मेला की व्यवस्था बहुत अच्छी है मेला समिति ने अच्छी व्यवस्था की है । उन्होंने कहा कि आप कुछ दिनों बाद भर्तृहरि की में काम होते देखेंगे। भर्तृहरि का पूर्ण रूप से विकास किया जाएगा।

इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष संजय नरूका, अलवर नगर निगम महापौर घनश्याम गुर्जर, अलवर ग्रामीण पूर्व विधायक जयराम जाटव, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ भाजपा प्रत्याशी बन्नाराम मीणा, मालाखेड़ा पंचायत समिति प्रधान वीरबत्ती जाटव, उमरैण पंचायत समिति प्रधान दौलत राम जाटव सहित अनेक भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी।

सांचौर: सड़क मार्ग पर पानी का भराव होने ग्रामीण हो रहे हैं परेशान

बड़सम से पलादर जाने वाली मुख्य सडक मार्ग पर

संजीवनी टुडे

सांचौर। सांचौर जिले के बड़सम से पलादर जाने वाले सड़क मार्ग पर पानी का भराव होने से लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पढ़ रहा है। वहीं ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस मार्ग पर डामरीकरण सड़क बनाने की मांग की है। जालोर जिले के सांचोर उपखण्ड क्षेत्र के बड़सम गांव से पलादर जाने वाले मुख्य सड़क मार्ग पर जगह-जगह पानी का भराव होने के कारण लोगों को आवागमन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार जिले के सांचोर उपखंड क्षेत्र के बड़सम गांव से पलादर तक जाने वाले रास्ते पर बारिश के समय पानी का भराव होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जलभराव से ग्रामीण परेशान हो रहे हैं ऐसे में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री , जिला कलेक्टर एवं एडीएम व जालोर सिरोही सांचौर सांसद लुम्बाराम चौधरी को डामरीकरण सड़क बनाने की मांग की है। ग्रामीणों ने पत्र में बताया कि गांव में पलादर होते हुए गुजरात जाने वाले मुख्य रास्ते तक

यह मार्ग जाता है। ऐसे में इस मार्ग पर दिनभर लोगों का आवागमन होता है, लेकिन पक्की सड़क न होने के कारण बारिश के मौसम में जगह-जगह पानी भर जाता है। जिसके कारण पैदल या बाइक पर जाने वालों को परेशान होना पड़ता है. ग्रामीण करमी राम देवासी ने बताया कि पिछले लंबे समय से इसी मार्ग पर डामरीकरण सड़क बनाने की मांग की गई थी। लेकिन आज तक अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया. वहीं, ग्रामीणों ने यह भी बताया कि बड़सम गांव में सरकारी स्कूल है. वहीं, पलादर तक के बच्चें स्कूल आने के लिए उसी सड़क मार्ग का उपयोग करते है. बारिश होने के बाद इसी मार्ग पर जगह-जगह पानी का भराव हो जाता है. जिसके कारण बच्चों को भी असुविधा होती है. ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से बड़सम से लेकर पलादर जाने वाले मार्ग पर पंचायत से ग्रेवल सड़क का निर्माण करवाया गया था, लेकिन ग्रेवल की क्वालिटी घटिया होने के कारण यह कुछ समय बाद ही बिखर गया था. ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से बड़सम से पलादर तक सड़क बनाने की मांग की है।

धर्म-कर्म- अलवर जिले में स्थित है पाण्डूपोल हनुमान मंदिर, जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं आते हैं दर्शन करने, पाण्डूपोल हनुमान जी का मेला आज

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। जिले के सरिस्का बाघ परियोजना के अंर्तगत पांडुपोल हनुमान जी लक्खी मेला सोमवार से शुरु हो गया। वहीं मंदिर में मुख्य भराभर मेला आज भरेगा। मेले का शुभारंभ केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने विधिवत पूजा अर्चना कर किया। पांडूपोल हनुमान मंदिर में लक्खी मेले के अवसर पर लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। पांडूपोल हनुमान मंदिर अलवर शहर के करीब 55 किलोमीटर दूर है। सरिस्का अभयारण्य के बीच में होने के कारण इसका प्राकृतिक सौंदर्य भी अपने आप में श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है।

बारिश के मौसम में कल-कल बहते झरना देखने लायक होते हैं। सरिस्का के बीचों-बीच स्थित इस हनुमान मंदिर का इतिहास महाभारत काल से है। किवदंती है कि महाभारत काल में अज्ञातवास के दौरान भीम ने अपनी गदा से पहाड़ में प्रहार किया था, गदा के एक वार से पहाड़ टूट गया और पांडवों के लिए रास्ता बन गया। पांडूपोल में बजरंग बली ने भीम को दर्शन दिए

थे। महाभारत काल की एक घटना के अनुसार इसी अवधि में द्रौपदी अपनी नियमित दिनचर्या के अनुसार इसी घाटी के नीचे की ओर नाले के जलाशय पर स्नान करने गई थी । एक दिन स्नान करते समय नाले में ऊपर से जल में बहता हुआ एक सुन्दर पुष्प आया द्रोपदी ने उस पुष्प को प्राप्त कर बड़ी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे अपने कानों के कुण्डलों में धारण करने की सोची। स्नान के बाद द्रोपदी ने महाबली भीम को वह पुष्प लाने को कहा तो महाबली भीम पुष्प की खोज करता हुआ जलधारा की ओर बढ़ने लगा। आगे जाने पर महाबली भीम ने देखा की एक वृद्ध विशाल वानर अपनी पूंछ फैला आराम से लेटा हुआ था। वानर के लेटने से रास्ता पूर्णतया अवरुद्ध था । यहां संकरी घाटी होने के कारण भीमसेन के आगे निकलने के लिए कोई ओर मार्ग नही था। भीमसेन ने मार्ग में लेटे हुए वृद्व वानर से कहा कि तुम अपनी पूंछ को रास्ते से हटाकर एक ओर कर लो तो वानर ने कहां कि मै वृद्व अवस्था में हूं। आप इसके ऊपर से चले जाएं, भीम ने कहा कि मैं इसे लांघकर नहीं जा सकता, आप पूंछ हटाएं। इस पर वानर ने कहा कि आप बलशाली दिखते हैं, आप स्वयं ही मेरी पूंछ को हटा लें। भीमसेन ने वानर की पूंछ हटाने की कोशिश की तो पूंछ भीमसेन से टस से मस भी ना हो सकी। भीमसेन की बार बार कोशिश करने के पश्चात भी भीमसेन वृद्ध वानर की पूंछ को नही हटा पाए और समझ गए कि यह कोई साधारण वानर नही है । भीमसेन ने हाथ जोड़ कर वृद्ध वानर को अपने वास्तविक रूप प्रकट करने की विनती की । इस पर वृद्ध वानर ने अपना वास्तविक रूप प्रकट कर अपना परिचय हनुमान के रूप में दिया । भीमसेन ने सभी पांडव को वहां बुला कर वृद्ध वानर की लेटे हुए रूप में ही पूजा अर्चना की। इसके बाद पांडवों ने वहां हनुमान मंदिर की स्थापना की जो आज पांडुपोल हनुमान मंदिर नाम से मशहूर है। अब हर मंगलवार व शनिवार को यहां भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, मंदिर जन-जन की आस्था का केन्द्र है। वहीं मंदिर के पास ही बुढ़े हनुमान जी का मंदिर है जो कि प्राचीनकालीन है। यहां पर साधू महात्मा हमेशा रहते हैं। यह मंदिर पोल से पहले पड़ता है।

फिनडैजलर्स फाइनेंस क्लब ने यूईएम जयपुर में सफल क्विज इवेंट का किया आयोजन

संजीवनी टुडे

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के फाइनेंस क्लब फिनडैजलर्स ने अपने बहुप्रतीक्षित इंडक्शन इवेंट, नवोदय क्विज प्रतियोगिता की मेजबानी की। नवोदय क्विज़ प्रतियोगिता फ़िनडैज़लर्स कार्यक्रम का उद्देश्य नए छात्रों को क्लब और वित्त की गतिशील दुनिया से परिचित कराना था। प्रतियोगिता ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की टीमों को आकर्षित किया, जिसने वित्त और अर्थशास्त्र में अंत:विषय रुचि को उजागर किया। कुल दस टीमों ने क्विज़ में भाग लिया, और वित्तीय विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला में अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। क्विज़ को कई राउंड में संरचित किया गया था, प्रत्येक को प्रतिभागियों के ज्ञान की गहराई और चौड़ाई का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। राउंड में रैपिड-फायर प्रश्न और बहुविकल्पीय खंड शामिल थे, जिसने कार्यक्रम में उत्साह और चुनौती की परतें जोड़ दीं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, तीन टीमें विजयी हुईं, जिन्होंने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को उनके प्रदर्शन के लिए प्रशंसा और प्रोत्साहन के प्रतीक के रूप में नकद पुरस्कार दिए गए।

खबरें फटाफट

बाबा रामदेव जी के यात्रियों के लिए लगाया सेवा केंप

संजीवनी टुडे

रामदेवरा। सीमा सुरक्षा बल द्वारा बाबा रामदेव जी के यात्रियों के लिए सेवा केंप लगाया गया। जिसमे पैदल यात्रियों की सेवा की गई। सीमा सुरक्षा बल की 87वी वाहिनी के कार्मिकों ने रामदेवरा पोकरण रोड़ पर कैंप लगाया। इस दौरान उप समादेष्टा महेंद्र सिंह के नेतृत्व में यात्रियों को फल, नींबू पानी और चॉकलेट बांटी गई। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल के कई जवान उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इन दिनों भादवा मेले में भारी संख्या में पैदल यात्री रामदेवरा आ रहे हैं।

दिल्ली से आये संघ ने किए बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन

संजीवनी टुडे

रामदेवरा। बाबा रामदेव जी का भादवा मेला अपने पूरे परवान पर है। भादवा मेले में अलग अलग राज्यों से भक्तगण रामदेवरा पहुंच रहे है और बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन कर रहे हैं। दिल्ली से श्रद्धालुओ ने बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन किए। दिल्ली से कार्तिक मेहरा के नेतृत्व में श्रद्धालु दिल्ली से रामदेवरा पहुंचे और बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन किए और पूजा अर्चना की तथा देश में खुशहाली की कामना की। इस दौरान श्री बाबा रामदेव सेवा समिति के कार्यालय में सभी अध्यक्ष आनन्द सिंह तंवर और सचिव खेतमल शर्मा द्वारा स्वागत किया गया। दिल्ली से आए मेघा मेहरा, शकुंतला, शशि और लिवान मेहरा आदि श्रद्धालुओ ने दर्शन किए।

स्काउट गाइड का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संजीवनी टुडे

बुंदी। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मुख्यालय जिला बूंदी के तत्वाधान में आयोजित राज्य पुरस्कार स्काउट , गाइड ,रोवर रेंजर, एवं निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर 7 सितंबर से पेज ग्राउंड बहादुर सिंह सर्किल बूंदी में आयोजित किया जा रहा है। इसके प्रथम दिवस शिविर प्रभारी एवं संचालक तथा स्थानीय स्काउट सुरेंद्र मेहरड़ा द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया। शिविर में विश्वजीत जोशी,नीरज कुमार शर्मा ,जितेंद्र शर्मा, गिरिराज बैरवा, रतन लाल बैरवा , लोकेश सैनी, जसपाल सिंह , आदि समस्त स्टाफ साथी उपस्थित रहे। शिविर के द्वितीय दिवस विश्वजीत जोशी द्वारा समस्त स्काउट एवं गाइड को पाठ्यक्रम अनुसार प्रशिक्षण दिया गया एवं गिरिराज बैरवा ने शिविर के सह संचालक के रूप में कार्य किया और तृतीय दिवस स्काउट और गाइड के समस्त छात्र-छात्राओं ने अनेक प्रकार के खेलों का आयोजन किया। विश्वजीत जोशी और रामलाल मेघवाल द्वारा विभिन्न प्रकार के गठन का प्रेक्टिकल करके बताया गया।

कविता महर बनी किसान यूनियन जिलाध्यक्ष

संजीवनी टुडे

दौसा। गाँगदवाड़ी,सिकराय निवासी समाज सेविका कविता महर को भारतीय किसान यूनियन का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति यूनियन प्रदेश प्रभारी मदन मोहन राजौर ने की है। साथ ही किसानों के हित अधिकारों के जिले मे पैरवी करने सहित जल्द से जल्द जिले की कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिए। इस दौरान पुरे जिले मे ख़ुशी की लहर हैं

आगरा में दो दिवसीय चिंतन शिविर की शुरूआत

संजीवनी टुडे

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को आगरा में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार तथा केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले की गरिमामय उपस्थिति में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर में भाग लिया। गहलोत ने बताया कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य समावेशी विकास और सामाजिक समानता को बढ़ावा देना है। 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' के भाव के साथ आयोजित चिंतन शिविर-2024 में विभिन्न राज्यों से पधारे प्रतिष्ठित प्रतिनिधिगण दो दिवसों तक समाज के वंचित, उपेक्षित एवं शोषित वर्गों के उत्थान और कल्याण हेतु सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए गहन विचार-विमर्श करेंगे।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित, निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश

आज से शुरू होगा प्रखर राजस्थान अभियान

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड़ के अध्यक्षता में सोमवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। डीओ आईटी भवन के सभागार में आयोजित बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने समस्त विभागीय अधिकारियों को बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालन सुनिश्चित करते हुए क्रियान्वित गतिविधियों के फोटोग्राफ जिला स्तरीय ग्रुप में भेजने तथा इसकी अनुपालन रिपोर्ट भी भिजवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर समस्त प्रकार के प्रकरणों का निस्तारण करने तथा जिन प्रकरणों में परिवादी संतुष्ट नहीं है, उनमें स्वयं परिवादी से संवाद करने तथा जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए । बैठक में नगर परिषद अधिकारी से शहरी क्षेत्र में झाड़ियां हटाने के बारें में जानकारी ली तथा निजी भूखंडों में साफ सफाई हेतु संबंधित को सूचित करने तथा सूचना के बाद भी साफ- सफाई नहीं होने पर नोटिस देने के

निर्देश दिए। बैठक में एवीएनएल अधीक्षण अभियंता ने आयोजित शिविरों के बारें में जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले में मौसमी बीमारियों उनके उपचार एवं बचाव आदि के बारे में जानकारी प्रदान की। बैठक में कृषि अधिकारी ने 11 सितंबर को आयोजित होने वाले कृषि कार्यक्रम की जानकारी दी तथा कृषि संकाय में अध्यनरत कक्षा 11वीं एवं 12वीं की छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृत्ति हेतु संस्था प्रधानों के माध्यम से समय पर आवेदन करवाने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी से अनुरोध किया।

पीडब्ल्यूडी अधीक्षण अभियंता ने बताया कि मौसम खुलने से प्रगतिरत कार्य पुनः शुरू हो सकेंगे। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक ने बजट घोषणा में पशु चिकित्सा केंद्र बिलड़ी हेतु भूमि चिन्हित करने तथा प्रस्ताव भेजने के बारे में जानकारी दी। रोजगार अधिकारी ने आगामी दिनों में होने वाले समिट के बारे में जानकारी देते हुए किसी भी विभाग में संबंधित प्रस्ताव होने पर भिजवाने का अनुरोध किया। आईसीडीएस अधिकारी ने आशान्वित ब्लॉक झौथरी में पोषाहार वितरण की जानकारी प्रदान की। बैठक में पीएचईडी अधिकारी ने पेयजल वितरण, रसद अधिकारी ने खाद्य सुरक्षा हेतु गठित जांच टीम एवं की जाने वाली कार्यवाही के बारें में जानकारी दी।

बैठक में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रणछोड़ डामोर ने बताया कि प्रदेश के सभी विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों में रीडिंग स्किल और उसकी समझ विकसित करने के लिए प्रखर राजस्थान अभियान 9 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। अभियान के दौरान निदेशालय प्रारंभिक, माध्यमिक, समग्र शिक्षा, आरएससीईआरटी, डाइट सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी विद्यालयों का अवलोकन भी करेंगे।

उन्होंने बताया कि जिले में भी इस अभियान की शुरुआत आज से की जाएगी। शिविरा पंचांग में कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों के लिए विद्यालयी समय सारणी में प्रत्येक दिवस के सातवें कालांश को रीडिंग पीरियड के रूप में निर्धारित किया गया है। इससे अभियान को एकरूपता भी मिलेगी। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों से फील्ड विजिट के दौरान प्रभावी मॉनिटरिंग करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि विद्यालयों में स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाया जा रहा है। बैठक में सभी विभागों की समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए बैठक में समस्त जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

पुलिस फील्ड में सरकार का चेहरा है, गंभीरतापूर्वक करें कार्य: बेढम

गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढ़म पहुंचे उदयपुर, पुलिस अधिकारियों की ली बैठक

संजीवनी टुडे

उदयपुर। प्रदेश के गृह एवं गोपालन, पशुपालन, डेयरी व मत्स्य राज्यमंत्री श्री जवाहरसिंह बेढम सोमवार देर शाम उदयपुर पहुंचे। श्री बेढम ने सर्किट हाउस में प्रशासन और पुलिस ने आला अधिकारियों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में गृह राज्यमंत्री श्री बेढम ने कहा कि फील्ड में पुलिस सरकार का चेहरा है। पुलिस की कार्यप्रणाली को देखकर आमजन सरकार की छवि की परिकल्पना करते हैं। ऐसे में सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वह अपने कर्तव्य का निर्वहन पूर्ण गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टोलरेंस की नीति पर काम कर रही है तथा धरातल पर आमजन को भी इसका अहसास होना चाहिए। उन्होंने उदयपुर को कानून व्यवस्था के मामले में उत्कृष्ट जिला बनाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि अपराध व अपराधियों से सख्ती से निपटें और आमजन में विश्वास कायम रखें। श्री बेढम ने उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन और वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी से भी

चर्चा कर क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थितियों के बारे में फीडबैक लिया। वहीं पुलिस महानिरीक्षक अजयपाल लांबा, जिला कलक्टर व जिला मजिस्ट्रेट अरविन्द पोसवाल तथा पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल से जिले में कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के संबंध में विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, गोपालस्वरूप मेवाड़ा सहित सभी पुलिस अधिकारी, समाजसेवी नाहरसिंह व रविन्द्र श्रीमाली भी मौजूद रहे। बैठक के बाद श्री बेढ़म ने जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर दीपेंद्रसिंह राठौड़ तथा उपखण्ड मजिस्टेझट की भी बैठक ली। इसमें उन्होंने कानून-व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पूर्व गृह राज्यमंत्री के उदयपुर पहुंचने पर सर्किट हाउस में आईजी अजयपाल लांबा, जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल, पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल सहित बडी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। श्री बेढ़म का रात्रि विश्राम सर्किट हाउस में रहा। मंगलवार सुबह डबोक एयरपोर्ट से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

विद्यालय की टपकती छत से विद्यार्थी परेशान, सुध लेने वाला कोई नहीं...

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा। नगर के समीपवर्ती ग्राम पंचायत आमली के खाराफली राजकीय प्राथमिक विद्यायल का भवन जर्जर होने से विद्यार्थीयों को टपकती छत के नीचे बैठने को विवश है, लेकिन इन विद्यार्थीयों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकीय खाराफली में भवन पुराना होने के कारण जर्जर हो गया है तथा कमरो में पानी टपकता है तथा उपर से चुना व सीमेन्ट गिरता है। वही विद्यायल का बरामदा व रसोई घर भी जर्जर हो चुके है। जिसको लेकर प्रधानाध्यापक ने प्रधानाचार्य आमली, अल्ट्राटेक नाथद्वारा के प्रबन्धक को लिखा गया, लेकिन इन बच्चों की सुध न तो प्रशासन ने ली और न ही फैक्ट्री प्रबन्धन ने। जबकि आज भी आदिवासी बच्चें जर्जर भवन व टपकती छत के नीचे बैठने को विवश है। वही ग्रामीणों की माने तो जर्जर भवन के कारण विद्यायल में कभी भी बडा हादसा घटित हो सकता है।

इनका कहना है कि

मेरे द्वारा अल्ट्राटेकनाथद्वारा सीमेंट फैक्ट्री के प्रबन्धन को सीआरसी फण्ड द्वारा विद्यालय भवन के लिए लिखा गया है, लेकिन अभी तक मरम्मत नहीं हुई है। ग्राम पंचायत द्वारा फैक्ट्री प्रबन्धन या रमसा या अन्य योजनाओं में विद्यालय का मरम्मत कार्य करवाने का प्रयास किया जायेंगा।

वीराराम गरासिया सरपंच ग्राम पंचायत आमली

विद्यायल मरम्मत कार्य को लेकर ग्राम पंचायत व विद्यायल पीओं को बताया गया, लेकिन समय पर ध्यान नहीं देने कारण बच्चों को आज भी टपकती छत में के नीचे बैठना पड रहा है। तथा कभी भी बडा हादसा हो सकता है।

पप्पु भाई गरासिया ग्रामीण तालाबफली

विशेष योग्यजनों हेतु 12 से 24 सितम्बर तक आयोजित होंगी विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं

संजीवनी टुडे

अलवर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार विधिक चेतना अभियान 2024 के आयोजन के तहत विशेष योग्यजनों हेतु 12 से 24 सितम्बर तक सभी विद्यालयों में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला व सेशन न्यायाधीश अलवर हरेन्द्र सिंह द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहन लाल सोनी को समस्त अलवर जिला न्याय क्षेत्र जिसमें अलवर जिला के अलावा कोटपुतली-बहरोड एवं खैरथल-तिजारा जिला भी इसमें सम्मिलित है में शारीरिक दिव्यांगता, दृष्य एवं श्रृव्य दिव्यांगता, बौद्धिक दिव्यागंता एवं मध्य कबड्डी, बॉलीबॉल, लंबीकूद, शॉटपुट, बेडमिन्टन, कैरम, चौस, टेबल टेनिस एवं पेंटिंग/चित्रकला की प्रतियोगिताएं आयोजित जाने के निर्देश दिये है। खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों हेतु मुख्य रूप से चार वर्ग प्रतियोगितायें सभी स्पेशल विद्यालयों, सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों के 8 वर्ष से 18 वर्ष की आयु या मानसिक मंदता में 18 वर्ष से अधिक आयु के विषेश रूप से सक्षमजन को भी सम्मिलित करते हुये उनके मध्य आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिता में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अधिक से अधिक संख्या में विशेष योग्यजन द्वारा इसमें भाग लिया जाए एवं कोई भी संस्थान इस प्रतियोगिता से वंचित नहीं रहे। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्रों के अलावा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को विजेता प्रमाण पत्र, मेडल एवं नकद पुरस्कार दिया जायेगा। जिला स्तर पर प्रथम आने वाले सहभागी, संभाग स्तर पर एवं संभाग स्तर पर प्रथम आने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर भाग लेने का अवसर मिलेगा। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के संबंध में प्रत्येक तालुका स्तर पर अन्य विधिक सेवा कार्यक्रम यथा साक्षरता शिविर, संगोष्ठी, परिचर्चा, रेली आदी में संबंधित विषय के साथ-साथ इन प्रतियोगिताओं की जानकारी दी जायेगी। इसके अलावा जिला शिक्षा अधिकारी के सहयोग से स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर प्रत्येक विद्यालय/विषेष विद्यालय/एनजीओ में प्रार्थना सभा के दौरान व अन्य उपयुक्त समय पर भी छात्रा-छात्राओं को इसकी जानकारी दी जाएगी।

पिण्डवाडा के अखेलाव तालाब में 36 घंटे बाद मिला डूबे युवक का शव, पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर निकाला शव बाहर

पालिका अध्यक्ष मेवाड़ा ने मृतक के परिवार को 20 हजार रूपए की सहायता राशि सौंपी

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। जिले के पिण्डवाड़ा नगर स्थित अखेलाव तालाब में शनिवार शाम 6 बजे डूबे युवक का शव सोमवार सुबह 36 घंटे बाद बाहर निकाला, मृतक युवक नगर के आमली रोड निवासी प्रकाश पुत्र सीताराम जोगी है। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब 6 बजे प्रकाश जोगी तालाब में पैर फिसलने गहरे पानी में डूब गया था।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरो को बुलाकर रेसक्यू शुरु किया। पर अँधेरे होने के चलते रेसक्यू को रोका गया म पिण्डवाड़ा थानाधिकारी हमीरसिंह भाटी ने बताया कि रविवार सुबह से ही जोधपुर से एसडीआरएफ की टीम नाव की मदद से तालाब में डूबे युवक का ढूंढने का प्रयास करती रही देर शाम तक रेस्क्यू जारी रहा पर सफलता हाथ नहीं लगी, सोमवार सुबह रेस्क्यू करने पर मृतक युवक शव तालाब में मिला।

मृतक के शव को समाजसेवी शिवलाल प्रजापत की मदद से पिंण्डवाड़ा सामुदायिक केंद्र की मोर्चरी में रखवाया

गया। वही नगर वासियों ने प्रशासन एवं रेस्क्यू टीम व मीडिया का धन्यवाद ज्ञापित किया। पालिका अध्यक्ष मेवाड़ा ने मृतक के परिवार को 20 हजार रूपए की सहायता राशि सौंपी मामले की सूचना मिलते ही पालिका अध्यक्ष सुरेंद्र मेवाड़ा भी पिण्डवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे म पिंण्डवाड़ा नगर पालिका अध्यक्ष सुरेंद्र मेवाड़ा ने मृतक के परिवार को 20 हजार रूपए की सहयोग राशि भेट की म मृतक परिवार को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान सहित ग्राम वासी मौजूद रहे।

इस मौके पर इनकी रही मौजूदगी

इस मौके पर थाना अधिकारी हमीर सिंह भाटी, तहसीलदार मोहनलाल,जोधपुर एसडीआरएफ टीम इंचार्ज सुनील चौधरी, सब इंस्पेक्टर जगदीश राजपुरोहित,हेड कांस्टेबल रामसिंह, कांस्टेबल कल्याण सिंह, कांस्टेबल रतनाराम गरासिया, कांस्टेबल कालूराम चौधरी, कांस्टेबल तुलसाराम, कांस्टेबल शेलेष राज पुरोहित, एसडीआर रेस्क्यू टीम के कांस्टेबल हरेंद्र जाखड़, सरदारमल, बाबूलाल, बत्तीलाल,

निंबाराम, भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष गहलोत,कांग्रेस नगर अध्यक्ष सुरेश रावल सहित पटवारी,पालिका अध्यक्ष सुरेंद्र मेवाड़ा,पालिका उपाध्यक्ष चेलाराम देवासी पूर्व पालिका उपाध्यक्ष एवं पार्षद चंपत मेवाड़ा, पार्षद कैलाश रावल,पूर्व पालिका अध्यक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष अचल सिंह बालिया,पार्षद परबत सिंह काबा,पार्षद छगन टांक,पार्षद रतन जैन,पार्षद अरविंद गवारिया,पार्षद जगदीश हीरागर,समाजसेवी सुरेश बोराणा,पूर्व पार्षद रणछोड़ रावल,पालिका स्वास्थ्य निरीक्षक अनिरुद्ध सिंह राजपुरोहित, पत्रकार विकास पटेल,पत्रकार हडमत सिंह,पालिका जमादार कमलेश भाटी, पुरण सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अभिमान को त्यागकर विनम्र बनो : मुनि शुभम सागर महाराज

संजीवनी टुडे

टोडारायसिंह (केकडी)। जैन मुनि शुभम सागर महाराज ने कहा कि मनुष्य को अभिमानी नहीं बल्कि विनम्र होना चाहिए। भगवान राम ने नम्रता से ही सबको अपनाया था। वहीं, अहंकार के चलते ही रावण न सिर्फ अकेला रह गया था, अपितु उसका नाश भी हुआ था। शुभम सागर जी महाराज श्री सहस्त्रफणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जैन भवन में दक्षलक्षण पर्व के दूसरे दिन उत्तम मार्दव धर्म पर प्रवचन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का मनुष्य हर जगह अपने सम्मान और अभिमान की कीमत तय करता है और इसी से अहंकार का जन्म होता है। कठोर चीज जल्दी नष्ट हो जाती है जबकि मुलायम चीज देर तक रहती है। जैसे बांस अकड़ता है तो तूफान में गिर जाता है। वहीं, मुलायम घास हमेशा लहलहाती रहती है। मोक्ष प्राप्ति के लिए अंदर से धर्म धारण करो। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ विनय के संस्कार भी दो। हम कोमल बनेंगे तो परमात्मा के हृदय में रहेंगे और पत्थर की तरह कठोर बनेंगे तो ठोकर खाएंगे। मुनि श्री ने कहा कि ज्ञानी पुरुष कभी भी सांसारिक क्षणिक वस्तु के प्रति कभी भी गर्व नहीं करता है। सच्चा पुरुष हमेशा नम्र होता है। विद्या इत्यादि का घमंड या श्रीमानी का घमंड न करके हमेशा छोटे बड़े जीवों के प्रति उपकार की दृष्टि रखता हैं, जैसे

नारियल का झाड़ स्वयमेव ऊँचा रहता है और अपने सिर पर श्रीफल का बोझा लेकर आप स्वयमेव न खाकर दूसरे जीवों के प्रति नम्र होकर गर्मी के दिनों में मीठा-२ पानी पिलाने की याचना करता है। आम का झाड़ बहुत से फल अपने से उत्पादन करता है परंतु उन फलों को स्वयमेव न खाकर गर्मी में नम्र होकर अर्थात झुककर दूसरों को दे देता है। आजकल के अहँकारी लोग-थोड़ी सी क्षणिक सम्पत्ति मिल जाय तो वे आसमान से ज्यादा ऊँचे बन जाते हैं और किसी मामूली या धर्मात्मा तथा सज्जन पुरुष को देखकर उनकी कभी विनय या अपस में जुहार इत्यादि करना तथा हाथ जोड़ने में अपना अपमान समझते हैं। इसलिए दूसरे लोग भी बात-बात में उनका तिरस्कार करते हैं। यानी मनुष्य देव शास्त्र गुरु के प्रति विनय करने मे भी हिचक जाता है। कदाचित मंदिर में भगवान के दर्शन करने जाय तो मस्तक झुकाकर नमस्कार करना अनिवार्य होता है। इसलिए मंदिर या सधु सत्पुरुषों के पास भी नहीं जाता है। जैन समाज और चतुर्मास कमेटी अध्यक्ष संतकुमार जैन और प्रवक्ता मुकुल जैन ने बताया कि प्रातः ध्यान के बाद अभिषेक, शांतिधारा और नित्य नियम पूजन के बाद दसलक्षण विधान की पूजन पंडित संजीव कासलीवाल द्वारा करवाया गया।

राजस्थान सरकार के बजट घोषणा के तहत पिण्डवाडा क्षैत्र को कई सौगाते मिली

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। आबू विधायक समाराम गरासिया एवं स्थानीय भाजपा नेता व जिला परिषद सदस्य किरण राजपुरोहित एवं पिण्डवाडा भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष गेहलोत द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समक्ष बजट घोषणा वित्तीय वर्ष 2024-25 में पिण्डवाडा तहसील के सर्वोपरी जनहित कार्यो की मांग की गई थी। जिसमें मुख्यतया कार्यो को बजट में घोषणा किए जाने से क्षैत्रवासियों ने खुशी व्यक्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिण्डवाडा -आबू विधायक समाराम गरासिया द्वारा बजट घोषणा से पुर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत करवाया थाम्कि सिरोही जिले में एक भी निष्क्रमणीय पशुपालक छात्र आवासीय विद्यायल नहीं है, जबकि सिरोही जिले में निष्क्रमणीय पशुपालक जनसंख्या की दृष्टि से अधिक है तथा इस जिले में इन पशुपालको के छात्रो की संख्या हजारो में है और विशेषकर पिण्डवाडा तहसील में विधमान है। सिरोही जिले में छात्र आवासीय विद्यायल नहीं होने से इन छात्रों को ढाई के लिए अन्य जिलो में जाना पडता है। कई छात्रों को आर्थिक मजबुरी के कारण बीच में ही अपनी पढाई छोड देते है। जबकि स्थानीय निवासीयों का मुख्य व्यवसाय पशुपालन है, लेकिन निष्क्रमणीय पशु पालक योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। जबकि इसी क्रम में जिला परिषद सदस्य एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता किरण राज पुरोहित व भाजपा पिण्डवाडा मंडल अध्यक्ष संतोष गेहलोत ने संगठन के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे पत्र के माध्यम से झाडौली में ब्लांक स्तरीय इंगलिश मॉडल स्कूल में कक्षा एक से पांचवीं तक शिक्षण शुरू करवाने, पिण्डवाडा उपखण्ड मुख्यालय पर स्वीकृत महाविद्यालय भवन का निर्माण करवाने एवं पिण्डवाडा बस स्टैंड मुलभूत सुविधाओं से वंचित यात्रियों व क्षैत्रवासियों के आवागमन सुविधा के लिए रोडवेज बस स्टेण्ड निर्माण की मांग करते हुए क्षैत्र की कई समस्याए एवं निदान करवाने हेतू ज्ञापन भेजा गया था। बजट में इन कार्यो की हुई घोषणा-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को उप मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री दिया कुमारी द्वारा विधानसभा के समक्ष पेश बजट में पिण्डवाडा तहसील में विधायक आबू- पिण्डवाडा समाराम गरासिया मांग अनुसार पशु पालको हेतु पिण्डवाडा में आवासीय विद्यायल का निर्माण 28 करोड रूपये की लागत से करने की घोषणा की है। जबकि जिला परिषद सदस्य पुरोहित द्वारा जनहित के लिए की गई मांग के अनुरूप मॉडल स्कुल में कक्षा प्रथम से पांचवी तक शिक्षण कार्य शुरू करवाने एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष गेहलोत ने क्षेत्रवासियों के लिए की गई मांग के अनुरूप पिण्डवाडा क्षैत्रवासियों के लिए नए बस स्टेण्ड निर्माण की भी घोषणा हुई है। जिस पर क्षैत्र वासियों सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की है।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

कैंसर: कारण, लक्षण और निदान

'कैंसर' एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों के पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। दरअसल परिजनों को अपने परिवार के उस सदस्य को हमेशा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। कैंसर के संबंध में यह जान लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी व्यक्ति को किसी भी उम्र में हो सकती है लेकिन अगर इसका सही समय पर पता लगा लिया जाए तो उपचार संभव है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं और माना जा रहा है कि वर्ष 2020 तक कैंसर के मरीजों की संख्या एक करोड़ की संख्या को भी पार कर जाएगी। हालांकि कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को एक असाध्य अर्थात लाइलाज रोग के रूप में जाना जाता था लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं और अब अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है। दुनियाभर में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। दरअसल कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इसी उद्देश्य से दुनियाभर में लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस' मनाया जाता है। दरअसल कैंसर आज न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक ऐसी भयानक बीमारी बन चुका है कि तमाम प्रयासों के बावजूद इसके मरीजों की संख्या में कोई कमी नहीं आ रही है तथा लाखों लोग हर साल इस बीमारी के कारण बेमौत मारे जा रहे हैं। इसी वजह से वर्ष 2005 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिवर्ष 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस' मनाने का निर्णय लिया गया ताकि लोगों को इस भयानक बीमारी से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा सके और ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा सके।

दरअसल कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके बारे में जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इस बीमारी का इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र ही लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च बहुत कम हो जाता है लेकिन इसकी पहचान अगर विकसित दशा में होती है तो उपचार की लागत कई गुना बढ़ जाती है। कैंसर के तीसरे या चौथे चरण में पहुंच जाने की स्थिति में मरीज का इलाज मुश्किल हो जाता है और खर्च भी अपेक्षाकृत काफी बढ़ जाता है। ऐसे मरीजों के लंबा जीवन जीने की उम्मीदें भी कम हो जाती है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना एक बहुत बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है। आधुनिक जीवनशैली, नियमित व्यायाम न करना, भोजन की शुद्धता पर ध्यान न देना, प्रदूषित वातावरण इत्यादि कई ऐसे अहम कारण हैं, जो शरीर में कैंसर विकसित होने के प्रमुख कारक हो सकते हैं। कैंसर के संबंध में यह जान लेना बेहद जरूरी है कि आखिर यह है क्या? हमारे शरीर की कोशिकाएं जब अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से बढ़ने लगती हैं तो कोशिकाओं के समूह की उस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहते हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाता है और ऐसी स्थिति में कैंसर काफी घातक हो जाता है। वैसे तो कैंसर के सौ से भी ज्यादा प्रकार हैं लेकिन ब्रेन कैंसर के अलावा पुरूषों में मुख्यतः मुंह व जबड़ों का कैंसर, फेफड़े का कैंसर, पित्त की थैली का कैंसर, पेट का कैंसर, लीवर कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर होता है जबकि महिलाओं में होने वाले कैंसर में स्तन तथा ओवेरियन कैंसर प्रमुख हैं। दुनिया भर में कैंसर से लड़ने और इस पर विजय पाने के चिकित्सीय उपाय हो रहे हैं और चिकित्सा के क्षेत्र में शोधकर्ताओं के प्रयासों के चलते कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में इलाज अब संभव है। यही कारण है कि 1990 के बाद से कैंसर से मरने वालों की संख्या में करीब 15 फीसदी की कमी आई है। वैसे तो कैंसर कई प्रकार का होता है और हर प्रकार के कैंसर के होने के कारण भी अलग-अलग होते हैं किन्तु इस बीमारी के कुछ ऐसे मुख्य कारक होते हैं।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधा मध्यम रहेगा और छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कड़े परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। आकस्मिक धनलाभ के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई स्फूर्ति के साथ काम करेंगे।

मिथुन राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और कार्यों में सफलता मिलेगी। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी, जिसके चलते मेहनत अधिक करनी पड़ेगी और पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा।

कर्क राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में निवेश की योजना बनेगी। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्य आसानी से पूरे होंगे। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

सिंह राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। साथ में काम करने वालों के सहयोग से कार्यों में सफलता मिलेगा। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में कार्यभार की अधिकता रहेगी और सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और कारोबार विस्तार की नवीन योजनाएं बनाएंगे। आकस्मिक धन लाभ की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भागदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव होगा।

धनु राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को स्थान परिवर्तन के साथ तरक्की मिल सकती है। कार्यों में सफलता मिलने आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियां सफल होंगी। गृह-नक्षत्रों के अनुकूल रहने से आकस्मिक धनलभा के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा।

कुम्भ राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय-धंधे में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। रुके कार्य पूर्ण होंगे और धनलाभ की स्थिति रहेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार विस्तार की नई योजनाएं बना सकते हैं।

मीन राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगा। हालांकि, कड़ी मेहनत और भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी।

अब राजनैतिक दल भी हुए विदेशी व घुसपैठिये !

राजनैतिक दल एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप तो हमेशा से ही करते रहे हैं। अपने को जनहितैषी बताना तथा मतदातों को यह समझाना कि जनता व देश का हित केवल हमारे हाथों में सुरक्षित है,यह तो हमारे देश ही नहीं बल्कि सभी लोकतांत्रिक देशों में यही समझाया जाता रहा है। परन्तु बदलती दुनिया में अब यह देखा जा रहा है कि राजनैतिक दलों के नेता अपनी व अपनी पार्टी की विशेषताएँ व उपलब्धियाँ गिनाने के बजाए अपने विरोधी या विपक्षी दलों व उनके नेताओं को नीचे दिखाने उन्हें अपमानित करने तथा लांछन लगाने पर ज़्यादा विश्वास करने लगे हैं। यहां तक कि सत्ता की लड़ाई ने व्यक्तिगत रंजिश जैसा माहौल पैदा कर दिया है। यह रवैया अब इतना आगे बढ़ चुका है कि अब विपक्षी दलों को यदि दुश्मन देशों का समर्थक तक कहना पड़े तो भी कोई हर्ज नहीं। राजनैतिक दलों में बढ़ती इस इस तरह की प्रवृति का कारण केवल और केवल एक ही है कि जब ये जनता से किये गए अपने वादों पर खरे नहीं उतरते और इन्हें अपनी सत्ता खोने का भय सताता है उस समय यह अपने विरोधी दलों को बदनाम करने के लिए उसके विरुद्ध तरह तरह के षड़यंत्र अपनाते हैं ताकि जनता किसी विकल्प को चुनने के बजाए इन्हीं वादा ख़िलाफ़ी करने वाले लोगों के हाथों में पुनः सत्ता सौंप दे और जनता इन्हें आईना दिखाने व इनकी नाकामी पर सवाल उठाने के बजाए वैकल्पिक राजनैतिक दलों पर लगातार हो रहे हमले व उनपर लगने वाले कथित 'षड़यंत्रकारी' आरोपों से घबरा कर उनके पक्ष में फ़ैसला करने की कोशिश न करे।

देश को अक्टूबर-नवंबर 2015 में हुआ बिहार विधानसभा का वह चुनाव याद होगा जिसमें सुपौल ज़िले में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने फ़रमाया था कि यदि -'बिहार में भारतीय जनता पार्टी हारी तो पाकिस्तान में पटाख़े फूटेंगे'। इस बात का साफ़ अर्थ है कि अमित शाह के अनुसार भाजपा के मुक़ाबले में लड़ने वाला महागठबंधन जिसमें जे डी यू,आर जे डी, कांग्रेस व वामपंथी दलों के अलावा कई छोटे दल शामिल थे क्या वे सभी पाकिस्तान परस्त थे ? इस बात को कहने के बाद अमित शाह की इतनी आलोचना हुई थी कि इनकी पार्टी के किसी नेता व प्रवक्ता की इस वक्तव्य पर सफ़ाई देने की हिम्मत नहीं हुई थी। इस बयान का नतीजा यह हुआ कि भाजपा गठबंधन बुरी तरह चुनाव हारा और बिहार से लेकर भारत के सुदूर राज्यों तक ज़ोरदार तरीक़ेसे पटाख़े फोड़े गए। बिहार की जनता यह सोचने के लिए मजबूर हो गयी कि क्या हम महागठबंधन को वोट करने से पाकिस्तान समर्थक हो जाएंगे ? बिहार के जागरूक मतदाताओं ने इसका अर्थ यही निकला कि क्या बिहार का जो भी भारतीय नागरिक भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान नहीं करेगा वह पाकिस्तानी कहा जाएगा ? ख़ैर, जनता ने इसका जवाब दिया भाजपा पराजित हुई परन्तु जोड़ तोड़ कर अपनी सत्ता बनाने में महारत रखने वाली इसी भाजपा ने बाद में महागठबंधन में दरार का लाभ उठा कर आर जे डी व जे डी यू में फ़ासला पैदा किया फिर जे डी यू को समर्थन देकर उन्हीं ''पाकिस्तानियों'' के साथ मिलकर अपनी सरकार भी बना ली ? एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं नितीश कुमार के डी एन ए पर भी सवाल खड़ा कर चुके हैं।

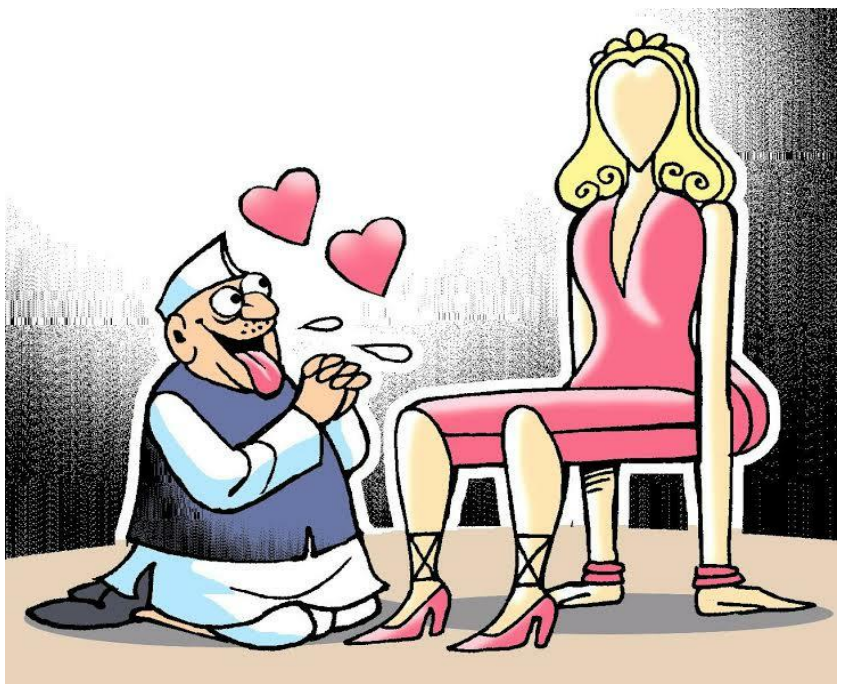

विचार बिन्दु

निर्मल रानी

वैसे भी सत्ता में आने के बाद विशेषकर जनता द्वारा इन्हें दूसरा मौक़ा दिए जाने के बाद इनके नेताओं के न केवल बोल बिगड़ गए हैं बल्कि इनको यह मुग़ालता भी हो गया है कि देश की जनता इनकी हर बात को अक्षरशः स्वीकार करने लगी है। परन्तु अब जनता इनके झूठ व आडंबरों से तथा इनकी ' मीठी गोलियों' से बख़ूबी वाक़िफ़ भी होने लगी है। यही वजह है कि जो थाली व ताली प्रधानमंत्री के आह्वान पर देश के युवाओं ने 22 मार्च को शाम 5 बजे 5 मिनट तक बजाई थी वही ताली व थाली देश के युवक पिछले दिनों घंटों तक सड़कों पर बजाते रहे और देश में बढ़ती बेरोज़गारी के प्रति सरकार का ध्यान खींचते रहे।

अब इसी तरह की भाषा का इस्तेमाल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रवक्ता रहे व भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री राम माधव द्वारा आसाम में किया गया है। ग़ौरतलब है कि मार्च-अप्रैल 2021 में आसाम विधान सभा के चुनाव होने की संभावना है। भाजपा ने अभी से चुनावी माहौल बनाना शुरू कर दिया है। राज्य में भाजपा का मुख्य मुक़ाबला कांग्रेस तथा आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ़्रंट व कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों से होता है।

प्रकाशित समाचारों के अनुसार पिछले दिनों राज्य भाजपा की पार्टी कार्यकारिणी की गोहाटी में आयोजित बैठक में अपने संबोधन में यह फ़रमाया कि विपक्षी दल कांग्रेस व यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ़्रंट विदेशी व घुसपैठियों की पार्टियां हैं। बैठक में पार्टी ने 100 दिन के अपने चुनाव प्रचार की कार्ययोजना पर विमर्श किया। विपक्षी दलों पर अभी से किये जाने वाले इस प्रकार के हमले से इस बात का अंदाज़ा लगाया जा सकता है की आसाम में होने विधान सभा चुनाव प्रचार के दौरान वातावरण में किस तरह की कड़वाहट घुलने वाली है। कांग्रेस पार्टी जिसने स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई तथा महात्मा गाँधी व सरदार पटेल व पंडित नेहरू जैसे नेता जिस पार्टी के सदस्य रहे हों वह पार्टी विदेशी पार्टी हो गयी ?केरल से आसाम तक जिस यू डी एफ़ के दर्जनों विधायक चुनाव जीत कर भारतीय संविधान की शपथ लेते रहे हों वह पार्टी आख़िर घुसपैठियों की पार्टी कैसे हो गयी ? आख़िर इनके द्वारा क्यों कांग्रेस जैसी 'विदेशी पार्टी' के नेता सरदार पटेल की ही विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा नर्मदा नदी के किनारे लगाई गयी ?

स्वयं को विचारक व बुद्धिजीवी समझने व राष्ट्रवाद के स्वयंभू ठेकेदार बनने वाले लोग जब आज़ादी में स्वयं के संगठन की भूमिका पर पूछे गए सवालों के जवाब देने में बग़लें झांकने लगते हैं तब इन्हें दूसरों को लांछित करने के अलावा दूसरा कोई उपाय नज़र नहीं आता। आसाम में ही एन आर सी लागू करने में बुरी तरह फ़ेल रहने के बाद पार्टी अब शर्मिंदगी से उबरने के लिए आसाम के मतदाताओं को यह समझाने की कोशिश कर रही है कि विपक्षी दल विदेशी व घुसपैठिया हैं और अकेले हम ही देश भक्त व राष्ट हितैषी हैं।

वैसे भी सत्ता में आने के बाद विशेषकर जनता द्वारा इन्हें दूसरा मौक़ा दिए जाने के बाद इनके नेताओं के न केवल बोल बिगड़ गए हैं बल्कि इनको यह मुग़ालता भी हो गया है कि देश की जनता इनकी हर बात को अक्षरशः स्वीकार करने लगी है। परन्तु अब जनता इनके झूठ व आडंबरों से तथा इनकी ' मीठी गोलियों' से बख़ूबी वाक़िफ़ भी होने लगी है। यही वजह है कि जो थाली व ताली प्रधानमंत्री के आह्वान पर देश के युवाओं ने 22 मार्च को शाम 5 बजे 5 मिनट तक बजाई थी वही ताली व थाली देश के युवक पिछले दिनों घंटों तक सड़कों पर बजाते रहे और देश में बढ़ती बेरोज़गारी के प्रति सरकार का ध्यान खींचते रहे। प्रधानमंत्री सहित शीर्ष भाजपा नेताओं के कार्यक्रमों पर लगातार नापसंद करने वालों की तादाद कई गुना बढ़ती जा रही है। परन्तु सत्ता का ध्यान जनता की बुनियादी ज़रूरतों व समस्याओं से निपटने के बजाए अपने विरोधियों व विपक्षियों को विदेशी व घुसपैठी बताने में लगा हुआ है।

भावी राष्ट्र निर्माणकर्ताओं का आत्महत्या की ओर रुख एक चिंतनीय विषय

आत्महत्या के अर्थ ' जानबूझकर स्वयं को मार देना ' से वर्तमान में सभी लोग निश्चित रूप से परिचित है।आत्महत्या के कारकों की बात करे तो इनमें विशिष्ट रूप से तनाव, आर्थिक कठिनाइयां, पारिवारिक सम्बन्धों में परेशानियां प्रमुख है। हालांकि और भी कई कारण है जैसे बेरोजगारी, गरीबी एवं भेदभाव किया जाना परन्तु प्रमुख कारकों की तुलना में इनके मामले बहुत कम देखने को मिलते है।' युवा ही किसी राष्ट्र का भविष्य होता है ' यह पंक्ति निश्चित रूप से बिल्कुल ठीक कही गई है परन्तु वर्तमान के कुछ युवाओं की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं से इस पंक्ति पर विश्वास कम होना स्वाभाविक है।

परीक्षाओं में अपनी आकांक्षाओं से हटकर या हतोत्साहित कर देने वाले परिणामों से आत्महत्या जैसे कदम उठाना आए दिन अख़बार की ख़बरों में देखने को मिलता है। जैसे कि हाल ही में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ के एक 18 साल के छात्र ने बोर्ड परीक्षा में दूसरी बार फ़ेल हो जाने के कारण आत्महत्या कर ली। इस निराशजनक कदम पर आईएएस अधिकारी अवनीश कुमार शरण ने फ़ेसबुक पर पोस्ट कर स्वयं के बोर्ड परीक्षाओं में प्राप्त अत्यंत कम अंक सबके सामने रख दिए और कहा कि उस वक्त मेरे केवल इतने ही अंक आए थे परन्तु फिर भी में निरंतर परिश्रम और धैर्य से आईएएस अधिकारी बन गया। इसलिए कभी भी अपनी काबिलियत को अंकों से न तोले और ना ही कभी अधिक महत्वाकांक्षाएं रखें।

सत्यता की तरफ एक नजर डाली जाए तो ज्ञात होता है कि युवाओं की महत्वाकांक्षाएं केवल उनकी स्वयं की ही नहीं होती बल्कि उनके अभिभावक भी इसमें शामिल होते है। अभिभावक प्रत्येक कीमत पर अपनी संतानों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करवाना चाहते है। अपने मन के अनुसार वांछित परिणाम पाने की ख्वाहिश रखते है। परन्तु महत्वाकांक्षाएं इतनी भी अधिक नहीं होनी चाहिए कि उनके प्राप्त न होने पर आत्महत्या जैसे कदम उठा लिए जाए। निरंतर अभ्यास और परिश्रम के द्वारा जीवन के प्रत्येक उद्देश्य को प्राप्त किया जा सकता है। कबीर द्वारा रचित इस चर्चित दोहे से धैर्य और परिश्रम की महत्ता को बखूबी समझा जा सकता है - धीरे धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय, माली सींचे सौ घड़ा, ऋतू आवे फल होय!

अर्थात कबीर का कहना है कि मनुष्य को हमेशा धीरज से काम लेना चाहिए। माली एक दिन में वृक्ष को सौ घड़ों से सींच भी दे लेकिन फल तो ऋतु आने के बाद ही लगते हैं। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे समय-समय पर अपने बच्चों को इस बात से अवगत कराए कि सफलता मात्र कुछ दिन के संघर्ष का फल नहीं होती अपितु इस पड़ाव में कई विफलताएं भी दस्तक देती है इन सभी विफलताओं को पार करने पर ही सफलता हासिल होती है।

हमेशा धैर्य बनाए रखना चाहिए। अत्यधिक तनाव पर युवाओं का ड्रग्स की और रुख भी अत्यंत चिंतनीय है।नशीली दवाइयों ड्रग्स की छिपकर बिक्री का भंडाफोड़ कुछ दिनों से प्रगति पर है। इनके उपयोग को निश्चित रूप से खत्म कर देना होगा ताकि भविष्य में दुर्दम परिणाम सामने ना आ सके। साथ ही आत्महत्या को रोकने हेतु अग्नियास्त्रो, कीटनाशक विष इत्यादि सभी संसाधनों की उपलब्धता को सीमित कर देना होगा। आत्महत्या का प्रयास कर चुके लोगों का उपचार कराना, मदिरा की लत शीघ्र से शीघ्र छुड़वाना और नशीली दवाइयों ड्रग्स की छिपकर बिक्री पर पूरी तरह पाबंदी कर देनी होगी। तभी इस जटिल समस्या से छुटकारा संभव है।

कुम्भज आशीष

आज का इतिहास

10 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1620	हंगरी के प्रिंस बेथलेन और रोम के सम्राट फर्डीनेंड द्वितीय के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।
1783	इटली के कैलब्रिया में आये भीषण भूकंप में 50 हजार लोग मारे गये।
1797	इक्वाडोर की राजधानी क्वीटो में आये विनाशकारी भूकंप में 41 हजार से अधिक लोग मारे गये।
1847	मैरीलैंड में अमेरिका की पहली टेलीग्राफ कंपनी की स्थापना की गयी।
1881	लोकमान्य तिलक के संपादन में दैनिक समाचार पत्र 'केसरी' का पहला अंक आया था।
1895	अमेरिका के शिकागो में पहले रोलिंग लिफ्ट पुल का उद्घाटन हुआ।
1920	लंदन से दक्षिण अफ्रीका के बीच पहली विमान सेवा शुरू।
1924	महात्मा गाँधी को उनका ख़राब स्वास्थ्य होने के कारण समय से पहले ही जेल से रिहा कर दिया गया।
1932	न्यूयार्क के लेक प्लेसिड में तीसरे शीतकालीन ओलंपिक का शुभारंभ।
1948	श्रीलंका को ब्रिटिश शासन से मुक्ति मिली।
1965	अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1976	अमेरिकी देशों ग्वाटेमाला और होंडुरस में आये भीषण भूकंप में 22000 लोगों की मौत।
1978	जूलियस जयवर्धने द्वारा श्रीलंका के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण।

कब बनेगा भिखारी मुक्त भारत

विचार बिन्दु

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में ज्यादातर बाल भिखारी अपनी मर्जी से भीख नहीं मांगते। वे संगठित माफिया के हाथों की कठपुतली बन जाते हैं। इन बच्चों के हाथों में स्कूल की किताबों की जगह भीख का कटोरा आ जाता है।

देश में बेरोजगारी की हालत ऐसी है कि बहुत पढ़े लिखे लोग भी भीख मांग रहे हैं। राजस्थान सरकार ने हाल ही में भिखारी उन्मूलन एवं पुनर्वास कानून बनाया है। जिसके तहत जयपुर में भिखारियों का सर्वे शुरू किया गया है। इस सर्वे में पता चला है कि जयपुर शहर में कुछ भिखारी एमए और एमकॉम तक पढ़े हुए हैं तो कुछ बीए और बीकॉम किए हुए हैं। इन भिखारियों का कहना है कि अगर उन्हें कोई काम मिलता है तो वह भीख मांगना छोड़ कर काम करने के लिए तैयार हैं। राजस्थान के ही गोविंदगढ़ के रहने वाले 34 साल का पवन एमकॉम तक पढ़ने के बाद अजमेर रोड पर भीख मांग रहा हैं। यह एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। लेकिन काम बंद होने की वजह से खाने के लिए चैराहे पर बैठना शुरू कर दिया। शादीशुदा नहीं होने की वजह से कहीं कोई काम के लिए ले जाता है तो चले जाते हैं वरना भीख मांग कर खा लेते हैं।

झुंझुनू जिले के डूंडलोद का रहने वाला 38 साल का अविवाहित मुकेश ने एमए तक पढ़ाई की है। जयपुर शहर में भीख मांग कर जिंदगी गुजर बसर करता है और फुटपाथ पर सोता है। एमकॉम तक पढ़ाई करने वाले जगदीश गुप्ता, ग्रेजुएशन करने वाले रमेश और शैलेश भी जयपुर में भीख मांगकर गुजारा करते हैं। राजस्थान सरकार ने हाल ही में विधानसभा में भिखारी उन्मूलन एवं पुनर्वास बिल पास कर दिया है। राज्य सरकार द्वारा सामाजिक संगठनों के जरिए भिखारियों के लिए पुनर्वास केंद्र बनाए जा रहे हैं। हमारे घरों में, सार्वजनिक स्थलों, रेल, बसों व धार्मिक स्थलों पर ईश्वर, अल्लाह के नाम पर भीख मांगते बच्चे, बूढ़े, युवा आसानी से देखे जा सकते है जो सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। भीख मांगना आज एक प्रकार का धंधा धंधा बन गया हैं। भिक्षावृत्ति किसी भी सभ्य देश के लिए कलंक है। यह एक सामाजिक बुराई हैं । अब यह लाईलाज गंभीर रोग बनता जा रहा हैं। जहां असहाय,दीन-हीन लोग तो मजबूरी वश भीख मांगने के कार्य में लगे हुये हैं। वहीं शारीरिक दृष्टि से सक्षम कई लोग भी भीख मांग कर अपना गुजारा करते हैं,क्योकि उन्होने शारीरिक श्रम करने के बजाय भीख मांग कर आसानी से गुजारा करने का रास्ता चुन लिया है। भिखारी शब्द के स्मरण से ही मन में घृणा का भाव उत्पन्न होने लगता है। भिखारी किसी भी देश व उसके नागरिकों के माथे पर कलंक की तरह होते हैं। आज 21 वीं सदी में जा रहा हमारा देश एक तरफ कम्प्यूटर, इंटरनेट की दिशा में प्रगतिशील है व विकास के बड़े-बड़े दावे कर रहा है वहीं दूसरी तरफ देश में ही एक तबका भीख मांग कर पेट भरता हो यह हम सभी के लिये एक गंभीर चिंतन का विषय है।

भारत में कुछ जनजातीय समुदाय भी अपनी आजीविका के लिये परम्परा के तौर पर भिक्षावृत्ति को अपनाते हैं। लेकिन भीख मांगने वाले सभी लोग इसे ऐच्छिक रूप से नहीं अपनाते। दरअसल गरीबी, भुखमरी तथा आय की असमानताओं के चलते देश में एक वर्ग ऐसा भी है, जिसे भोजन, कपड़ा और आवास जैसी आधारभूत सुविधाएँ भी प्राप्त नहीं हो पातीं। यह वर्ग कई बार मजबूर होकर भीख मांगने का विकल्प अपना लेता है। भिक्षावृत्ति भारत के माथे पर ऐसा कलंक है जो हमारे आर्थिक तरक्की के दावों को खोखला बनाता है। भीख मांगना कोई सम्मानजनक पेशा नहीं वरन अनैतिक कार्य और सामाजिक अपराध है। सरकार ने इसे कानूनन अपराध घोषित कर रखा हैं। फिर भी यह लाइलाज रोग दिन पर दिन बढ़ता जा रहा हैं। हमारे देश में भिखारियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। भारत में कोई भूखा न रहे और भूख के कारण अपराधा न करे, इसीलिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम का प्रस्ताव लाया गया था। भीख मांगना सभ्य समाज का लक्षण नहीं है मगर आत्मसम्मान तथा स्वाभिमान जागृत किए बिना इससे किसी को विमुख नहीं किया जा सकता। सरकार को शिक्षा के प्रसार पर बल देना चाहिए। शिक्षा ही व्यक्ति को संस्कारित कर उसे स्वाभिमानी बना सकती है। भारत के संविधान में भीख मांगने को अपराध कहा गया है। फिर भी देश की सडकों पर लाखों बच्चे आखिर कैसे भीख मांगते हैं ? बच्चों का भीख मांगना केवल अपराध ही नहीं है, बल्कि देश की सामाजिक सुरक्षा के लिए खतरा भी है। हर साल कितने ही बच्चों को भीख मांगने के धंधे में जबरन धकेला जाता है। ऐसे बच्चों के आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने की भी आशंका होती है। पुलिस रिकार्ड के अनुसार देश में हर साल 48 हजार बच्चे गायब होते हैं। उनमें से आधे कभी नहीं मिलते हैं। उन बच्चों में से काफी बच्चे भीख मंगवाने वाले गिरोहों के हाथों में पड़ जाते हैं। हर साल हजारों गायब बच्चे भीख के धंधे में झोंक दिये जाते हैं।

शाकाहार

शतम् जीवेत् सुखम् जीवेत्

हैल्थ संवाददाता

स्वास्थ्य ही धन है, ऐसे में आप किस तरह के आहार का सेवन करते हैं, उसपर आपका स्वास्थ्य निर्भर करता है। शाकाहारी भोजन आपको न केवल स्वस्थ रखता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से बचाता है। शाकाहारी भोजन के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करता आलेख। सच में यह कहा जाये, तो बिल्कुल गलत नहीं होगा, कि व्यक्ति का शरीर केवल शाकाहार भोजन खाने के लिए बना है। शाकाहार में शरीर के लिए जरूरी आयरन, प्रोटीन, फैट्स, विटामिन्स आदि होते हैं। लेकिन लोगों को यह लगता है कि नॉनवेज में प्रोटीन ज्यादा होता है, इसलिए नॉनवेज खाना चाहिए, लेकिन यह सही नहीं है। शाकाहार के सेवन से भी प्रोटीन की जरूरत को पूरा किया जा सकता है।

संतृप्त वसा व कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम

शाकाहारी भोजन में रेशे यानी फाइबर बहुतायत में पाये जाते हैं। इसमें विटामिन व लवणों की मात्र भी अपेक्षाकृत ज्यादा होती है। शाकाहारी भोजन में पानी की मात्र भी ज्यादा होती है, जिससे मोटापा कम होता है। मांसाहार की तुलना में शाकाहारी भोजन में संतृप्त वसा व कोलेस्ट्रॉल की मात्र कम होती है, जिससे यह हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। अनाज, फली, फल व सब्जियों में रेशे व एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा होते हैं, जो कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को दूर रखने में सहायक होते हैं।

शाक से मिलता है प्रोटीन

शाकाहारी होना कतई हानिकारक नहीं है। मांसाहारियों को शरीर के लिए जरूरी तत्व जो मांस से मिलते हैं, वही जरूरी तत्व शाकाहारियों को कई प्रकार के शाक से मिलते हैं। प्रोटीन जो मछली, मांस और अंडे से प्राप्त होता है, वह वनस्पति से भी प्राप्त होता है।

बनो शाकाहारी हो जाओ दीर्घायु

मानव शरीर के कार्य करने के लिए ऐसा कोई पौष्टिक व जरूरी तत्व नहीं है, जो वनस्पतियों से प्राप्त नहीं किया जा सकता। फोलेट के अत्यधिक मात्र में होने के कारण और न्यून मात्र में सैचुरेटेड फैट, कोलेस्ट्रॉल व एनिमल प्रोटीन मात्र के कारण शाकाहारी भोजन हमें खतरनाक और सामान्य रोगों से बचाता है।

कौन सा विटामिन पाएं कहां से

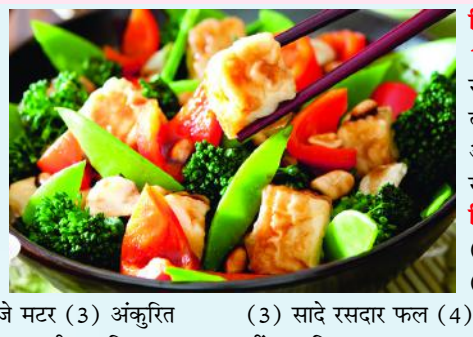

विटामिन 'ए': (1) हरी सब्जियां (2) मक्खन (3) क्रीम (4) गाय का दूध (5) काडलिवर आयल

विटामिन बी 1: (1) गेहूं (2) ताजे मटर (3) अंकुरित बीज (4) सेम (5) खमीर आदि।

विटामिन बी2: (1) अंडा (2) टमाटर (3) दूध (4) खुमानी (5) हरी सब्जियां।

विटामिन बी 6: (1) अनाज के दाने (2) मछली (3) मांस (4) खमीर (5) चावल (6) फलियां

विटामिन बी 12: (1) हरी सब्जियां (2) दालें (4) अनाज (5) खमीर आदि।

विटामिन सी: (1) बंदगोभी (2) शलगम (3) सादे रसदार फल (4) टमाटर (5) नींबू आदि।

विटामिन- डी: (1) दूध (2) काड लिवर आयल (3) पनीर (4) घी (5) मक्खन

विटामिन ई: (1) गेहूं के अंकुर (2) पालक (3) हरी सब्जियां (4) बंदगोभी (5) टमाटर आदि।

किसके लिये कौन सा विटामिन है फायदेमंद

- हमें आंखों के लिये विटामिन 'ए' तथा 'सी' की आवश्यकता है।
- मसूड़ों तथा दांतों की मजबूती के लिये विटामिन सी चाहिए।
- पाचन शक्ति बढ़ाने तथा हृदय को मजबूत करने के लिए विटामिन बी चाहिए।
- फेफड़ों की प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के लिये विटामिन 'डी' की आवश्यकता होती है।
- बार-बार खांसी जुकाम हो तो विटामिन 'ए' लीजिए।
- पिण्डलियों का भारीपन तथा पांव का दर्द दूर करने के लिये विटामिन 'बी' चाहिए।
- खून की कमजोरी दूर करने के लिये विटामिन सी की आवश्यकता होती है।
- शरीर की हड्डियां टेढ़ी-मेढ़ी न हों, इसके लिए विटामिन 'डी' का सेवन करें।

1977 से अमेरिका में विश्व शाकाहार दिवस मनाने की शुरूआत की

शाकाहारी भोजन में संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है।

शाकाहार से रक्तचाप रहता है सामान्य

इस संस्था के शोधकर्ताओं का मानना है कि शाकाहारियों के रक्त में यूरिक एसिड का मात्रा कम होती है। इससे रक्तचाप सामान्य रहता है, जबकि मांसाहारियों में इसकी अधिकता पायी जाती है। शाकाहार के बारे में कुछ जाने-माने सितारों का भी मत सकारात्मक है।

विश्व प्रसिद्ध शाकाहारी

विश्व के प्रसिध्द महापुरुष शाकाहारी थे, जिनमें सर आईजक न्यूटन, टॉलस्टाय, मिल्टन, अरस्तु, बर्नार्ड शा आदि के नाम प्रमुख हैं। शाकाहार ने ही उनके बंद ज्ञान की पंखुड़ियों को खोलने में मदद की। महान वैज्ञानिक एलबर्ट आइन्सटाईन का कथन आज भी सत्य है। शाकाहार का हमारी प्रकृति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इससे तो इंसान का भाग्य पलट सकता है। कैंसर एंड अदर डिसीज फ्राम मीट कन्जंम्पशन पुस्तक के लेखक लियोनार्डो ब्लानचे ने कैंसर के अनेक मरीजों का इलाज किया है। उन्होंने पाया कि कुल संख्या का एक तिहाई भाग जिस कैंसर से पीड़ित मिला है, वह पेट का कैंसर ही था। उनके अनुसार, पेट में पूरी तरह न पचने राले खाद्य पदार्थों से ऐसा संभव हुआ है। मांस ऐसा भोजन है जो देर से पचता है, जबकि शाकाहार करने वाले ऐसी शिकायतें कम करते हैं।

शाकाहार, मांसाहार की अपेक्षा अधिक सस्ता

आर्थिक दृष्टि से शाकाहार, मांसाहार की अपेक्षा अधिक सस्ता पड़ता है। शाकाहारी भोजन चाहे जितना ही भारी हो, लेकिन मांस से पहले पचता है। यह भूख को पूर्ण रूप से तृप्त करता है। इससे मोटापा आने के आसार बहुत कम होते हैं। शाकाहारी के शरीर में रक्त के संचार की गति तेज होती है। शाकाहार की महत्ता को गास्पल आफ जीसस क्राइस्ट में भी बताया गया है कि यदि तुम शाकाहारी भोजन को नियमित अपनाओगे तो तुम्हें नया जीवन व शक्ति मिलेगी।

मांसाहारी जिन मांस को खाते हैं, वह न जाने कैसे पशुओं का होता हैं। शहर में घूमते इन आवारा पशुओं को अनेक बीमारियां घेरे रहती हैं। जब इन्हें काटा जाता है तो क्या इनके शरीर की जांच की जाती है?

मांसाहार मानव शरीर को करता विकृत

मांसाहार अवश्य ही मानव शरीर को विकृत करता है। शाकाहार वास्तव में मनुष्य के मन और शरीर को सुदृढ़ बनाता है। अत: निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि हर हाल में शाकाहार मांसाहार की अपेक्षा अत्यन्त लाभदायक होता है, फिर मनुष्य को प्रकृति में रहने की आदत है तो उसी के अनुरूप आचरण भी करना चाहिए।

लहसुन उच्च रक्तचाप में राहत देता है

लहसुन सर्दियों से दुनिया भर में अनेक लोगों के भोजन का अंग रहा है, जो लोग इसे पसंद करते हैं, उनका कहना है कि लहसून से खाने का मजा बढ़ जाता है, लेकिन दुनिया के कई समाज इसे खाना अच्छा नहीं समझते, शायद तीखी गंध के कारण। आयुर्वेद में लहसुन का गुण-गान किया गया है। अब तो आधुनिक चिकित्सा पध्दति के विशेषज्ञ भी कई बीमारियों में इसे कारगर मानने लगे हैं। दमा, बहरेपन, खांसी-जुकाम, पेट में कीड़े आदि में लहसुन लेने की सलाह दी जाती है। छाती के रोगों में और सर्दी लग जाने पर लहसुन की दूध में उबाल कर लेना चाहिए। तपेदिक के मरीजों के लिए भी लहसुन बहुत मुफीद है। लहसुन की कली को पीसकर 250 ग्राम दूध में धीमी आंच पर उबालिये। एक चौथाई दूध रह जाने पर यह दवा बन जाएगी। इसे दिन में तीन बार लेना चाहिए। सुबह-सबेरे खाली पेट लहसुन की एक-दो कलियों को जरा-सा कूट कर पानी में निगल जाइए। उच्च रक्तचाप और पेट की बीमारियों में फायदा होगा। आंतों में जमा विषैला तत्व नष्ट हो जाता है।

लहसुन का सबसे बड़ा अवगुण इसकी बू है। जो लोग लहसुन नहीं ले सकते, वे लहसुन के कैप्सूल ले सकते हैं, जो बाजार में उपलब्ध हैं। लहसुन गुणों का भंडार है, लेकिन कुछ लोगों को नुकसान कर सकता है। इसकी तासीर गर्म होती है। जिनकी पाचन शक्ति कुछ ज्यादा ही गड़बड़ हो, गर्म चीजें खाने से जिनको तकलीफ बढ़ जाती है, उन्हें लहसुन से परहेज करना चाहिए।

शाकाहार पूर्ण पौष्टिक भोजन है

हैल्थ संवाददाता

आज की भौतिक दौड़ में हमने अपने खान-पान को भुला दिया है। आज कई लोग मांसाहारी हो गये हैं। संभवत: यही कारण है कि नयी-नयी बीमारियों का जन्म हो गया है। हमारा शरीर प्राकॉतिक तत्वों से मिलकर बना है। अत: मनुष्य को वही जन करना चाहिए, जिसमें सात्विक गुण हो, क्योंकि शरीर किसी बाह्य तत्व का बोझ सहन नहीं कर सकता। अब हमारा पौष्टिक भोजन क्या हो? विशेषज्ञों के अनुसार शाकाहार ही पौष्टिक भोजन है।

शाकाहारी भोजन में उचित मात्रा में शक्तिवर्ध्दक तत्व होते हैं। शाकाहारी भोजन स्वस्थ, सबल और दीर्घायु बनाता है,जबकि मांसाहारी व्याधियों से घिरसे होते हैं। शाकाहार के संबंध में अनेक शोध भी होचुके हैं। इसका परिणाम स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक ही पाया गया है। शाकाहारी मांसाहारियों की अपेक्षा सहनशील, शक्तिशाली और परिश्रमी होते हैं। इसके अलावा शाकाहारी भोजन का रासायनिक विश्लेषण मांसाहारी भोजन से कई मायनों में अधिक होता है। जैसे प्रति सौ ग्राम अंडों का विश्लेषण करने पर 13.3 प्रतिशत प्रोटीन, 0 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 13.3 फैट, 0 प्रतिशत फाइबर, 1.0 प्रतिशत मिनरल्स व 173 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है, जबकि प्रति सौ ग्राम सोयाबीन से 43.3 प्रतिशत प्रोटीन, 20.9 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 19.5 प्रतिशत फैट, 3.7 प्रतिशत फाइबर, 4.6 प्रतिशत मिनरल्स और 432 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। ऐसे प्रति सौ ग्राम बकरे का मांस 21.4 प्रतिशत प्रोटीन, 0 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 23.6 प्रतिशत फैट, 0 प्रतिशत फाइबर, 1.1 प्रतिशत मिनरल्स, 118 कैलोरी ऊर्जा रखता है, जबकि प्रति सौ ग्राम मोट से 23.6 प्रतिशत प्रोटीन, 56.5 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 1.1 प्रतिशत फैट, 4.5 प्रतिशत फाइबर और 330 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।

मछली में है प्रचूर मात्रा में प्रोटिन

इसी प्रकार मछली की अनेक किस्मों में प्रति सौ भाग रासायनिक पौष्टिकता इस प्रकार है- प्रोटीन 8.9 से 76.1 प्रतिशत, फाइबर 0 प्रतिशत, मिनरल्स 0 से 27.5 प्रतिशत और ऊर्जा 59 से 413 कैलोरीज, जबकि मूंगफली व तरबूज के सौ ग्राम बीजों की पोषकता यूं हैं- 26.2 से 34.1 प्रतिशत प्रोटीन, 26.7 से 45 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 39.8 से लेकर 52.6 प्रतिशत फैट, 0.8 से लेकर 3.1 प्रतिशत फाइबर, 1.6 से लेकर 25 प्रतिशत मिनरल्स और 470 से लेकर 628 कैलोरी ऊर्जा।

हरी सब्जियां में है विटामिन्स की खान

अब देखें फाइबर मांस में बिल्कुल नहीं है, जबकि रोगों से लड़ने की ताकत यही जुटाता है। इसके विपरीत हर शाकाहारी भोजन में फाइबर की उपस्थिति निश्चित है। इसके अतिरिक्त हरी सब्जियां तो विटामिन्स की खान है अगर कुछ विटामिन्स रह भी जाएं तो इसकी पूर्ति, दूध, दही व मक्खन से की जा सकती है। शाकाहार के संबंध में अमेरिका में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि जो अमेरिका महिलाएं शाकाहारी होते हैं उन्हें छाती का कैंसर कभी न होने की संभावना होती है। शाकाहार में अंगूर, पपीते व हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने वालों को भोजन नली का कैंसर बहुत कम होने का खतरा रहता है। शाकाहार के संबंध में जर्मनी की इंस्टीट्यूट आफ सोशियल मेडिसन एंड एपिडेमिचोलोजी द्वारा भी सर्वेक्षण किये जा चुके हैं।

कैंसर को दूर रखने के लिए शाकाहार अपनायें

कई अध्ययनों से पता चला है कि शाकाहारी लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मांस खाने वाले लोगों की तुलना में मजबूत होती है। वहीं शाकाहारी लोगों को दिल से जुड़ी बीमारियां, कैंसर और मोटापा जैसी बीमारियां भी कम होती हैं। मांस, अंडे और डेयरी उत्पाद छोड़ देने से कम वसा, कम कोलेस्ट्राल और बहुत पौष्टिक खाना मिलता है। तो चलिये विस्तार से जानें कि शाकाहार कैसे हमें कैंसर व अन्य घातक बीमारियों से दूर रख सकता है।

पौष्टिकता का खजाना है शाकाहार

शाकाहारी भोजन मनुष्य को फ्लू जैसी रोजमर्रा की बीमारियों के साथ कैंसर जैसी घातक बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है। एक सर्वे के दौरान मिले तथ्यों के मुताबिक जानकार बताते है कि शरीर के लिए शाकाहारी खाना सबसे अच्छा है। मांस, अंडे और डेयरी उत्पाद छोड़ देने से कम वसा, कम कोलेस्ट्राल और बहुत पौष्टिक खाना मिलता है। सर्वे के मुताबिक शाकाहारी खाने में कोलेस्ट्राल नहीं होता और वसा भी कम होती है और यह कैंसर के खतरे को 40 फीसद कम करता है। शाकाहारी खाने में सोया दूध, अनाज, फल, सब्जियां, बादाम और जूस हमारी रोजमर्रा की विटामिन, कैल्शियम, फोलिक एसिड, प्रोटीन की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। जानकारों का मानना है कि शाकाहारी लोग फ्लू जैसी रोजमर्रा की बीमारियों से जल्दी प्रभावित नहीं होते हैं। मांसाहारी लोगों को शाकाहारी खाना खाने वालों की तुलना में मोटे होने का खतरा नौ गुना ज्यादा होता है।

रोहित ने सिंघम अगेन के लिए की खास प्लानिंग...

नई दिल्ली। एक्शन फिल्म में क्लाइमेक्स अक्सर फिल्म को बनाने या बिगाड़ने का कारण हो सकता हैं। जब सिंघम अगेन जैसी स्टार-स्टडेड एक्शन फिल्म हो तो दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ जाती हैं। इसलिए फिल्म मेकर रोहित शेट्टी अपनी इस फिल्म को लेकर कोई कसर छोड़ने के मूड में नहीं हैं। वह चाहते हैं कि अजय देवगन की कॉप यूनिवर्स वाली ये फिल्म किसी भी मोर्चे पर फीकी ना पड़े। फिल्म में अक्षय कुमार और रणवीर सिंह भी अहम रोल में हैं तो उनके फैन्स की भी इस फिल्म से खास उम्मीदें होंगी। शेट्टी ने एक नाटक जैसा सीन तैयार किया हैं। इसमें कई किरदार राक्षसों की ड्रेस में होंगे।

लाइफ Style

तमन्ना

दक्षिण में जड़ों से जुड़ी कहानियां दिखाई जाती हैं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

तमन्ना भाटिया ने एक पॉडकास्ट में बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के बीच के अंतर पर अपनी राय साझा की हैं। उन्होंने ये भी बताया कि लोगों को दक्षिण भारतीय फिल्में क्यों अच्छी लगती हैं। तमन्ना भाटिया का मानना है कि दक्षिण भारतीय फिल्मों में जड़ों से जुड़ी कहानियां दिखाई जाती हैं और यही वजह है कि उन्हें वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल हो रही है और फिल्में डबिंग वगैरह के जरिए लोगों तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि साउथ की फिल्मों में केवल वही बात कहने की कोशिश की जा रही है, जिसे वे अच्छे से जानते हैं।

तमन्ना ने राज शमनी के पॉडकास्ट पर बातचीत करते हुए कहा कि दक्षिण की फिल्मों में वहां की भौगोलिक स्थिति के बारे में खूब बात होती हैं। तमन्ना के हिसाब से बॉलीवुड और साउथ में यही मुख्य अंतर है। उनका कहना है कि बॉलीवुड में कई दफा ऐसी फिल्में बनती है, जो सभी का मनोरंजन कर सकें और ये शायद सही से काम नहीं कर पाता। तमन्ना की आने वाली फिल्म की बात करें तो वो 'ओडेला 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके खाते में वेब सीरीज 'डेयरिंग पार्टनर्स' भी है।

तमन्ना भाटिया तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। उन्हें हाल ही में, निखिल आडवाणी की फिल्म 'वेदा' में देखा गया। 'स्त्री 2' के गाने 'आज की रात' से भी तमन्ना ने जमकर सुर्खियां बटोरीं और लोगों ने उनके डांस स्टेप को कॉपी करके खूब वीडियो बनाए।

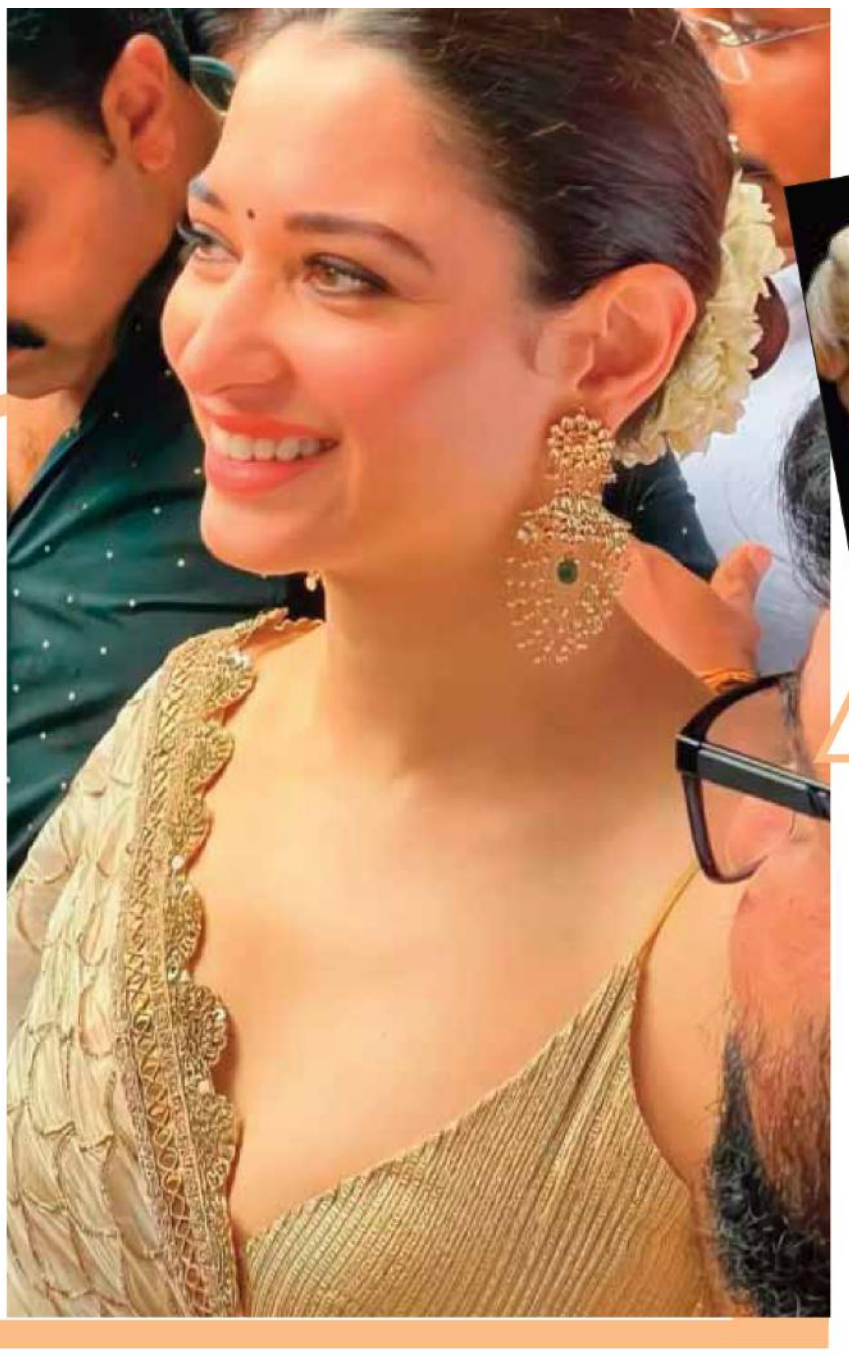

हॉलीवुड मसाला

सगाई की रिंग देख सभी हैरान

लॉस एंजिल्स। वेनिस फिल्म फेस्टिवल से 'जोकरः फोली अ दु' एक्ट्रेस लेडी गागा की कुछ झलकियों ने इंटरनेट पर तहलका मचा रखा है। लोगों की निगाहें उनकी एंगेजमेंट रिंग पर जा थमी हैं। बताया जा रहा है कि प्लैटिनम-सेट सॉलिटेयर वाली की इस रिंग की कीमत करोड़ों में है। माइकल पोलांस्की को लेकर लेडी गागा काफी समय से सुर्खियों में हैं। उन्होंने पहली बार 2024 पेरिस ओलंपिक के दौरान अपनी सगाई को लेकर इशारा भी दिया था।

जेनिफर के साथ काम करना सपने के जैसा था

लॉस एंजिल्स। जेनिफर लोपेज अपनी नई फिल्म अनस्टॉपेबल को लेकर सुर्खियों में हैं। अनस्टॉपेबल के निर्देशक ने फिल्म के साथ-साथ जेनिफर और बेन से अपने रिश्ते को लेकर कुछ बातें साझा की है। विलियम गोल्डनबर्ग ने बताया वो जेनिफर और बेन में से बेन को ज्यादा अच्छे से जानते हैं। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि वो दोनों को चाहते हैं और अनस्टॉपेबल में जेनिफर के साथ काम करना सपने की तरह था। बता दें कि विलियम अनस्टॉपेबल से डेब्यू कर रहे हैं। वहीं, जेनिफर लोपेज ने एलए काउंटी सुपीरियर कोर्ट में 20 अगस्त, 2024 को बेन एफ्लेक से तलाक की अर्जी दाखिल की थी। विलियम ने वैराइटी से हुई अपनी बातचीत में कहा कि अनस्टॉपेबल के सेट पर किसी तरह का अटपटा माहौल नहीं था।

पति की कॉल डिटेल से मचा दिया था बवाल

मुंबई। 40 वर्षीय उदिता सालों से बॉलीवुड से दूर हैं। 9 फरवरी 1984 को एक्ट्रेस का जन्म उत्तराखंड में देहरादून में हुआ था। उदिता गोस्वामी की डेब्यू फिल्म थी 'पाप'। साल 2003 में आई इस फिल्म में उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ काम किया था। 'पाप' के बाद उदिता' फिल्म 'जहर' में नजर आई थीं। इसके बाद एक्ट्रेस ने 'अक्सर', 'अगर', 'किससे प्यार करूं' और 'फॉक्स' जैसी फिल्मों में भी काम किया था। हालांकि वे बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस नहीं बन पाई। आगे जाकर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली थी। साल 2013 में उदिता ने बॉलीवुड फिल्ममेकर मोहित सूरी से शादी की थी। उन पर आरोप लगे थे कि उन्होंने पति मोहित सूरी के कॉल डिटेल निकलवाई थी। पुलिस ने इस केस में उनसे पूछताछ भी की थी।

दीपिका के बच्चे के लिए मांगी थी दुआ...

मुंबई। करण जौहर होस्टेड रियलिटी चैट शो 'कॉफी विद करण सीजन 5' में रणवीर सिंह और रणबीर कपूर एक साथ आए थे। पर्दे पर अभी तक इन दोनों ही कलाकारों को एक साथ नहीं देखा गया है, लेकिन जब करण के शो में दोनों साथ आए तो तमाम मुद्दों पर बातें हुईं। रणबीर ने कहा कि आपसी तनाव बहुत पहले ही खत्म हो चुका है और अब ये बेमतलब की बात है। रणबीर ने दीपिका-रणवीर और उनके बच्चे के लिए कहा, 'रणवीर और दीपिका एक दूसरे के लिए बिल्कुल ठीक हैं और मैं दुआ करूंगा कि उनका रिश्ता यूं ही फले-फूले।' रणबीर ने कहा कि वह यह भी दुआ करते हैं कि उनके होने वाले बच्चे भी उनके काम के फैन बनें और अपने माता-पिता को अपना फेवरेट एक्टर मानें। फैंस ने रणवीर और दीपिका के बच्चे को सोशल मीडिया पर तरह-तरह के नाम दिए हैं।

टीवी मसाला

स्कूल जाने से बचने के लिए बनाते थे बीमारी का बहाना

नई दिल्ली। केबीसी 16 के लेटेस्ट एपिसोड में कंटेस्टेंट शोभिका श्री ने पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल फ्रंट तक अपनी लाइफ के बारे में बहुत कुछ शेयर किया। वहीं, इस दौरान शोभिका ने खुलासा किया कि वह हेल्थ एंड मेडिकल सर्विस सेक्टर में काम करती है और अपने वर्क कमिटमेंट्स की वजह से उन्हें अपने पति से दूर रहना पड़ता है। ये सुनकर बिग बी कंट्सेटं शोभिता को कुछ ट्रिक्स बताते हैं जिनका इस्तेमाल वह काम से समय निकालने के लिए कर सकती हैं। इस दौरान अमिताभ बच्चन बताते हैं कि वे भी अक्सर स्कूल जाने से बचने के लिए इन्ही ट्रिक्स का इस्तेमाल किया करते थे। बिग बी कहते हैं, 'जब मैं स्कूल में था तो मैं अपने हेल्थ इश्यू के बारे में झूठ बोलता था और लोगों को यह विश्वास दिलाता था कि मैं बीमार हूं ताकि मैं स्कूल छोड़ सकूं। एक तरकीब है कि अगर कोई अपनी बगल में प्याज रखता है, तो उसे बुखार हो जाएगा और मैं हर बार इसका इस्तेमाल किया करता था।' इससे पहले, केबीसी 16 के एक एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने खुलासा किया था कि उन्होंने साइंस में अच्छे मार्क्स हासिल किए थे जिसके कारण उन्होंने साइंस स्ट्रीम को चुना, क्योंकि उन्होंने सुना था कि इस स्ट्रीम से बहुत सारे अच्छी अपॉर्चुनिटी मिलती हैं।

नए थीम के साथ 'बिग बॉस 18' में धमाका करेंगे सलमान ...

नई दिल्ली। सलमान खान का मोस्ट अवेटेड रिएलिटी शो 'बिग बॉस 18' बहुत जल्द प्रीमियर होने वाला है।शो का नया सीजन कबसे टेलीकास्ट किया जाएगा, इसे लेकर अब तक कोई कंफर्म डेट सामने नहीं आई हैं। लेकिन 'बिग बॉस 18' की थीम और कंटेस्टेंट्स को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ गई हैं।खबर है कि सलमान खान नए थीम के साथ नया सीजन होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस रिएलिटी शो का थीम पास्ट, प्रेजेंट और फ्यूचर पर बेस्ड होने वाली हैं। 'बिग बॉस 18' के कंटेस्टेंट्स को टाइमलाइन के बारे में बात करते हुए देखा जा सकेगा। इसके अलावा घर के डिजाइन और स्ट्रक्चर में भी बदलाव किया जाएगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि 'बिग बॉस 18' के होस्ट सलमान ने टीम के साथ शूटिंग में मजेदार समय बिताया है और शो का प्रोमो भी जल्द रिलीज होने वाला हैं।

'एनिमल' में अबरार का रोल करने से पहले घबरा रहे थे बॉबी

नई दिल्ली। एनिमल का निर्देशन करने वाले संदीप रेड्डी वांगा ने बॉबी देओल को जब बताया था कि उनका किरदार मूक होगा तो शुरू में बॉबी घबरा गए थे, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी आवाज उनकी ताकत है। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने कम्फर्ट जोन से निकलकर कुछ करने का मन बनाते हुए फिल्म को हां कह दिया था। बॉबी ने एक साक्षात्कार में बताया कि उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग के लिए डेढ साल इंतजार किया था। ये एक लंबी फिल्म है, जिसे शूट करने में काफी समय लग रहा था। ऐसे में बॉबी के मन में सवाल उठ रहे थे कि क्या संदीप अपना मन बदल लेंगे और एक दिन अचानक कहे देंगे कि अब उन्हें उनकी जरूरत नहीं है? बॉबी ने रणबीर कपूर के साथ 12 दिन शूटिंग की थी। उन्होंने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए कहा कि बड़े स्टार होने के बावजूद वो काफी डाउन-टू-अर्थ हैं। बॉबी ने ये भी बताया कि उन्होंने अबरार के रोल के लिए कैसे तैयारी की थी। उन्होंने इसके लिए साइन लैंग्वेज सीखी थी।

करोड़ों में ले रहे फीस, दौलत इतनी है कि जानकर उड़ जाएंगे होश...

मुंबई। अक्षय कुमार बॉलीवुड के सुपरस्टार हैं। वे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्टर्स की भी लिस्ट में शामिल हैं। हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस से लेकर अपनी कॉमिक टाइमिंग तक, बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार इंडियन सिनेमा के सबसे वर्सेटाइल एक्टर्स में से एक हैं। 3 दशकों से ज्यादा के अपने शानदार एक्टिंग करियर के साथ, अक्षय ने अपनी कड़ी मेहनत, डिसिप्लिन और डेडीकेशन से अपने लिए एक ब्रांड बनाया हैं। हालांकि अक्षय कुमार का करियर पिछले कुछ सालों से पटरी से भी उतरा हुआ हैं। बावजूद इसके एक्टर के स्टारडम में कोई कमी नहीं आई हैं। अक्षय कुमार ने बॉलीवुड में साल 1991 में आई फिल्म सौगंध से डेब्यू किया था। फिल्म खिलाड़ी ने उन्हें बॉलीवुड का सुपरस्टार बना दिया था। इसके बाद एक्टर ने तमाम ब्लॉकबस्टर फिल्में दी। हालांकि, कोविड के बाद से अक्षय कुमार के सितारे गर्दिश में चल रहे हैं। एक्टर की कई फिल्में बैक टू बैक फ्लॉप रही हैं लेकिन फिर भी खिलाड़ी कुमार की शानो-शौकत में कोई कमी नहीं आई है। अक्षय कुमार पिछले कुछ सालों में तमाम फ्लॉप फिल्में देने के बावजूद बॉलीवुड के बैकेबल एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं। फोर्ब्स द्वारा पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेता की वर्तमान में कुल नेटवर्थ लगभग 2,500 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

60 से 140 करोड़ रुपए के बीच वसूलते हैं फीस

अक्षय कुमार अपनी हर फिल्म के लिए कथित तौर पर 60 से 140 करोड़ रुपए के बीच फीस वसूलते हैं। उनकी आखिरी रिलीज, 'खेल खेल में' के लिए, अक्की को कथित तौर पर लगभग 60 करोड़ रुपए की फीस दी गई थी। फिल्म के अलावा अक्षय कुमार की ज्यादातर कमाई ब्रांड एंडोर्समेंट से होती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह प्रति पेड ब्रांड डील के लिए लगभग 6 करोड़ रुपए चार्ज करते हैं। अक्षय कुमार अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना और अपने दो बच्चों के साथ जुहू में सी फेसिंग एक लग्जरी डुप्लेक्स में रहते हैं। हाउसिंग डॉट कॉम के अनुसार, उनके अल्ट्रा-लग्जरी घर की कीमत 60 करोड़ रुपए है। इसके अलावा उनके पास कई प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें खार वेस्ट में 7.8 करोड़ रुपये का 1 हजार 878 स्क्वायर फुट का अपार्टमेंट और गोवा में 5 करोड़ रुपए का पुर्तगाली स्टाइल का विला शामिल है।

तीन एक्टर ने मिलकर किया था बॉक्स ऑफिस पर कब्जा

1977 की वो फिल्म, जिसने चकनाचूर कर दिया था राजेश का स्टारडम

नई दिल्ली। 70 के दशक में राजेश खन्ना बॉक्स ऑफिस पर छाए रहे। उन्हें बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार का टैग भी मिला। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर राजेश खन्ना को टक्कर देने के लिए कई बार सोचना पड़ता था। वहीं, साल 1977 में अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना और ऋषि कपूर तीन अभिनेताओं ने मिलकर बॉक्स ऑफिस पर ऐसी फिल्म दी कि राजेश खन्ना भी उसके सामने फेल हो गए। हम बात कर रहे है फिल्म 'अमर अकबर एंथोनी' की, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला और ये फिल्म उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। उस साल अमिताभ, ऋषि कपूर के अलावा धर्मेंद्र की फिल्में भी राजेश खन्ना को टक्कर दी थी। हालात ये हो गए थे कि उस साल की 5 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में राजेश खन्ना की एक भी फिल्म शामिल नहीं थी।

अमर अकबर एंथोनी : सबसे पहले बात करते हैं उस फिल्म की, जो साल 1977 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। इस फिल्म में 1 नहीं, बल्कि 3-3 दिग्गज अभिनेता एक साथ नजर आए थे और उस फिल्म का नाम है 'अमर अकबर एंथोनी'। विनोद खन्ना, ऋषि कपूर और अमिताभ बच्चन स्टारर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर सामने आई थी। इस फिल्म को मनमोहन देसाई ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म को लिखा था कादर खान ने. 27 मई 1977 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म में विनोद खन्ना, ऋषि कपूर, अमिताभ बच्चन के अलावा नीतू सिंह, परवीन बाबी, शबाना आजमी, निरूपा रॉय, प्राण और जीवन जैसे दिग्गज कलाकार भी शामिल थे।

धरम-वीर : धर्मेंद्र और जीतेंद्र की फिल्म 'धरम-वीर' 6 सितंबर 1977 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जो एक एक्शन-ड्रामा फिल्म थी, और इस फिल्म का निर्देशन भी मनमोहन देसाई ने किया था। यह फिल्म साल 1977 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी. बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। फिल्म में धर्मेंद्र और जीतेंद्र के अलावा जीनत अमान, नीतू सिंह और प्राण भी मुख्य भूमिकाओं में थे। वहीं, फिल्म में संगीत लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल का था। इस फिल्म की एक और खास बात यह थी कि धर्मेंद्र के छोटे बेटे बॉबी देओल कुछ समय के लिए अपने पिता के बचपन के किरदार को निभाते हुए नजर आए थे।

हम किसी से कम नहीं : ऋषि कपूर, तारिक खान, काजल किरण, अमजद खान और जीनत अमान स्टारर फिल्म 'हम किसी से कम नहीं' 25 अगस्त 1977 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और रिलीज के साथ ही इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचा शुरू कर दिया था। इस फिल्म पर दर्शकों ने अपना इतना प्यार लुटाया था कि यह 1977 की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। इस फिल्म का निर्माण और निर्देशन नासिर हुसैन ने किया था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह तो फिल्म थी, जिसके जरिए मोहम्मद रफी को अपना एकमात्र राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

परवरिश : अमिताभ बच्चन और विनोद खन्ना स्टारर फिल्म 'परवरिश' 27 अक्टूबर 1977 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक क्राइम ड्रामा फिल्म थी और इस फिल्म को भी मनमोहन देसाई ने ही डायरेक्ट किया था। यह फिल्म 1977 की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी, जिसमें अमिताभ और विनोद खन्ना के अलावा शम्मी कपूर, नीतू सिंह और शबाना आजमी भी लीड रोल में नजर आई थीं।

चाचा भतीजा : धर्मेंद्र की 'चाचा भतीजा' एक बेहतरीन फिल्म है, जो 11 जनवरी 1977 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को मनमोहन देसाई ने डायरेक्ट किया था, जो एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म थी। सलीम-जावेद द्वारा लिखित यह फिल्म लोगों को बेहद पसंद आई थी और मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह 1977 की 5वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र के अलावा रणधीर कपूर, हेमा मालिनी, योगिता बाली और जीवन भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे।

खबर संक्षेप

वेस्टर्न कैरियर्स का आईपीओ 13 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स कंपनी वेस्टर्न कैरियर्स (इंडिया) लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 13 सितंबर को खुलेगा। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, कोलकाता स्थित कंपनी का आईपीओ 18 सितंबर को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 12 सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों और 54 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है।

इफको टोकियो ने मंडल को एमडी और सीईओ किया नियुक्त

नई दिल्ली। इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने सुब्रत मंडल को नया प्रबंध निदेशक (एमडी) तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की सोमवार को घोषणा की। इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी (इफको टोकियो) ने बयान में कहा, 2001 से कंपनी से जुड़े रहे मंडल अपने नए नेतृत्व की भूमिका में बीमा उद्योग में 36 वर्षों से अधिक का अनुभव लेकर आए हैं। मंडल ने कहा, '' हम एक साथ मिलकर पहले से स्थापित मजबूत नींव पर काम करेंगे।

जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा को क्षमता विस्तार के लिए मंजूरी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने अपने जयगढ़ और धरमतार बंदरगाह पर क्षमता विस्तार के लिए 2,359 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को मंजूरी दी है। जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि उसकी योजना वित्त वर्ष 2029-30 तक मौजूदा क्षमता को 17 करोड़ टन सालाना से बढ़ाकर 40 करोड़ टन करने की है। इस योजना के तहत संबंधित सहायक कंपनियों के बोर्ड ने 3.6 करोड़ टन प्रतिवर्ष (धरमतार में 2.1 करोड़ टन और जयगढ़ में 1.5 करोड़ टन) की कुल क्षमता विस्तार योजना को मंजूरी दी है।

रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ 83.96 प्रति डॉलर

मुंबई। शेयर बाजार में तेजी के रुख से रुपये को मिले समर्थन को प्रमुख वैश्विक मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती द्वारा बेअसर कर दिये जाने के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को कारोबार के अंत में रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ 83.96 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा पर असर डाला है, तथा इस सप्ताह अमेरिकी सीपीआई और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) की मौद्रिक नीति से पहले निवेशक सतर्क बने हुए हैं।

गाला प्रिसिजन का शेयर निर्गम 42% बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग का शेयर निर्गम मूल्य 529 रुपये से करीब 42 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 41.77 प्रतिशत बढ़त के साथ 750 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 48.77 प्रतिशत चढ़कर 787 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 36.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 721.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ कंपनी का बाजार मूल्यांकन 972.42 करोड़ रुपये रहा।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम 2024 को बढ़ाया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि इलेक्ट्रिक दोपहिया तथा तिपहिया वाहनों को प्रोत्साहन देने वाली 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन' योजना 2024 को फेम-3 को अंतिम रूप दिए जाने तक बढ़ाया जाएगा। ऑटोमोटिव कम्पोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के वार्षिक सत्र में भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी ने कहा, '' (हाइब्रिड एवं) इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने व विनिर्माण (फेम) से जुड़ी योजना के तीसरे चरण को अंतिम रूप देने में कुछ और समय लगेगा।''

एसीएमए के वार्षिक सत्र में भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी ने कहा

उद्योग जगत से न घबराने की अपील

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (ईएमपीएस) को बढ़ाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, '' इसे एक या दो महीने के लिए और बढ़ाया जाएगा।' यह योजना इस महीने समाप्त हो रही है। उद्योग जगत से न घबराने की अपील करते हुए उन्होंने कहा, '' इसे फेम-3 की घोषणा होने तक बढ़ाया जाएगा।''

ईएमपीएस 30 सितंबर तक बढ़ाया गया

ईएमपीएस अप्रैल में शुरू की गई थी और इसे 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया था। फेम-3 अस्थायी 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम' (ईएमपीएस) 2024 की जगह लेगी। फेम-3 के व्यय पर पूछे जाने पर कुमारस्वामी ने कहा, '' इसकी घोषणा थोड़े समय में की जाएगी।''

फेम-3 में होंगे कुछ संशोधन

विस्तृत जानकारी दिए बिना उन्होंने कहा, '' फेम-3 में...फेम-2 में कुछ संशोधन किए जाएंगे, जिसके लिए काम जारी है।'' मंत्री ने साथ ही कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेगी कि भारत विनिर्माण तथा नवाचार में वैश्विक अग्रणी बना रहे।

सामूहिक प्रयास पर बल

इसी सत्र में, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष संजीव पुरी ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होने के लिए सरकार, उद्योग तथा शिक्षा जगत के बीच सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसमें मोटर वाहन उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। पुरी ने कहा भविष्य की जरूरतों के लिए कार्यबल को कुशल बनाने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने और वैश्विक व्यवधानों के प्रभाव से उबरने के लिए एक स्थायी आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने की जरूरत को भी रेखांकित किया।

वित्त वर्ष 2023-24 में 20 लाख करोड़ का आंकड़ा किया पार

मोटर वाहन उद्योग का कुल जीएसटी में अब 14-15 प्रतिशत का योगदान : सियाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2023-24 में 20 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया और अब देश में संग्रहित कुल जीएसटी में इसका योगदान 14-15 प्रतिशत है। 'सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स' (सियाम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने सोमवार को यहां 64वें वार्षिक एसीएमए सत्र में कहा कि मोटर वाहन क्षेत्र देश में प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। अग्रवाल ने कहा, '' भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2023-24 में 20 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया...हम देश में एकत्र कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में करीब 14-15 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मोटर वाहन उद्योग देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.8 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से अधिक योगदान देगा।

- देश में संग्रहित कुल जीएसटी में उद्योग का योगदान बढ़ा

खास बातें

- उद्योग जीडीपी में 6.8 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से अधिक योगदान देगा
- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा यात्री वाहन बाजार है

स्थानीय उत्पादन के लिए घटकों की पहचान

अग्रवाल ने कहा कि मोटर वाहन उद्योग और भी तेजी से बढ़ने तथा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। मोटर वाहन उद्योग ने आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से स्थानीय उत्पादन के लिए 50 महत्वपूर्ण घटकों की पहचान की है।

भारत दोपहिया व तिपहिया का सबसे बड़ा बाजार

अग्रवाल ने कहा कि केवल वृद्धि संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि प्रौद्योगिकी में बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वाहन उद्योग संगठन के अध्यक्ष ने कहा, '' हम तीसरा सबसे बड़ा यात्री वाहन बाजार, सबसे बड़ा दोपहिया तथा तिपहिया बाजार और तीसरा सबसे बड़ा वाणिज्यिक वाहन बाजार बन गए हैं। वह भी ऐसे समय में, जब देश 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने की ओर अग्रसर है।''

स्वदेशी विनिर्माण योजना को बढ़ावा

अग्रवाल ने कहा कि सियाम ने एसीएमए के साथ मिलकर स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ाने की यात्रा शुरू की है और स्वैच्छिक रूप से स्थानीयकरण बढ़ाने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

आयात सामग्री 60 से घटाकर 20 फीसदी लाने प्रतिबद्ध

अग्रवाल ने यहां एसीएमए के वार्षिक सत्र में कहा, '' हम 2019-20 के आधार स्तर से 2025 तक आयात सामग्री को 60 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें पांच वर्षों में 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये तक की कमी का लक्ष्य रखा गया है। हमने पहले दो वर्षों में आयात में 5.8 प्रतिशत की कमी के पहले चरण को बेहतरीन तरह से हासिल किया है।''

वाहन मिशन योजना के तीसरे संस्करण की प्रतीक्षा

इस सत्र में 'ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन' (एसीएमए) की अध्यक्ष श्रद्धा सूरी मारवाह ने कहा कि उद्योग मोटर वाहन मिशन योजना के तीसरे संस्करण की प्रतीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग को विशेष रूप से कौशल अंतर को दूर करने और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आने वाली तिमाहियों में एफडीआई बढ़ेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दर में कटौती की संभावना, अमेरिकी में वृद्धि दर हल्की रहने तथा दूसरी तरफ भारत में अनुकूल आर्थिक परिदृश्य के साथ यहां प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में तेजी आने की उम्मीद है।

- फेड के नीतिगत दर में कटौती से बढ़ सकती है संभावना

विशेषज्ञों ने यह बात कही है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश इस साल अप्रैल-जून के दौरान 47.8 प्रतिशत बढ़कर 16.17 अरब डॉलर रहा है। विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि पिछले एक दशक में निवेश स्रोत बदल गये हैं और इसमें विविधता आई है। पूंजी नए उभरते क्षेत्रों से आ रही है।

डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि आठ साल पहले की तुलना में, बिजली, निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, रसायन और गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्र अब आकर्षक निवेश स्थल बन गये हैं। उन्होंने कहा, हमें आने वाली तिमाहियों में मजबूत एफडीआई की इस प्रवृत्ति में तेजी आने की उम्मीद है। अमेरिका में होने वाले चुनाव और उसके परिणाम, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती, अमेरिका में वृद्धि दर धीमी होने और भारत में अनुकूल आर्थिक परिदृश्य दृष्टिकोण संभवतः वैश्विक निवेशकों को यहां आकर्षित करेगा। इंडसलॉ के भागीदार आकाश दासगुप्ता ने कहा कि 2023-24 की पहली तिमाही में एफडीआई प्रवाह में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में तेजी आई है।

मई-जून में विदेशी निवेश बढ़ा

दासगुप्ता ने कहा, हालांकि, यह एक सकारात्मक संकेत है और इसके विभिन्न कारण हैं। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय पूंजी बाजारों का प्रदर्शन और एफडीआई नीति में अनुकूल संशोधन शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मई में विदेशी निवेश बढ़कर 5.85 अरब डॉलर और जून में 5.41 अरब डॉलर हो गया।

जेआरजी ऑटोमोटिव का ताकागी सेको के साथ संयुक्त उद्यम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

जेआरजी ऑटोमोटिव इंडस्ट्रीज ने घरेलू बाजार के दोपहिया तथा चार पहिया वाहनों के कलपुर्जे बनाने के लिए 1.5 करोड़ अमरेकी डॉलर के निवेश से जापान स्थित ताकागी सेको कॉरपोरेशन के साथ एक रणनीतिक संयुक्त उद्यम बनाया है।

- कंपनी दोपहिया व चार पहिया वाहनों के कलपुर्जे बनाती है

कंपनी के बयान के अनुसार, हरियाणा के सांपला में स्थापित संयुक्त उद्यम सुविधा दोपहिया तथा चार पहिया वाहनों के लिए कलपुर्जे सहित मोटर वाहन घटकों के विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी। भारतीय मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के लिए घटकों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ताकागी सेको की उन्नत प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाया जाएगा। जेआरजी ऑटोमोटिव ने कहा कि संयुक्त उद्यम में करीब 1.5 करोड़ डॉलर का निवेश शामिल होगा, जिसमें से 50 प्रतिशत पहले ही प्राप्त हो चुका है। जेआरजी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पवन गोयल ने कहा, '' ताकागी सेको की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, हमारा लक्ष्य भारतीय मोटर वाहन उद्योग को आगे बढ़ाना और ओईएम के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करना है।'' गोयल ने कहा, '' यह सहयोग बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पाद देने में सक्षम बनाएगा जो 'प्रीमियम' घटकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ ही रोजगार सृजन के जरिये स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी योगदान देगा।''

राजस्व आधार मजबूत होगा

ताकागी सेको कॉरपोरेशन के अध्यक्ष ताकागी अकिहिरो ने कहा, '' ताकागी सेको में, हमारी व्यावसायिक रणनीति हमारे घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय राजस्व आधार को मजबूत करने के साथ-साथ हमारे परिचालन को सुदृढ़ बनाने पर केंद्रित है। जेआरजी के साथ यह संयुक्त उद्यम उस रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।''

बैंक शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 376 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स निचले स्तर से उबरते हुए 375 अंक से अधिक की बढ़त में रहा। मुख्य रूप से आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में तेजी से बाजार बढ़त में रहा।

- निफ्टी 24,900 अंक के पार

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लगा और यह 375.61 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,559.54 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी में भी तीन दिन से जारी गिरावट थम गयी और यह 84.25 अंक की बढ़त के साथ 24,936.40 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच गिरावट के साथ शुरुआत के बावजूद घरेलू बाजार में तेजी आई।

हुंडई मोटर ने नई अल्काजार पेश की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हुंडई मोटर इंडिया के स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड की उसकी कुल बिक्री में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो उद्योग के औसत 53 प्रतिशत से अधिक है। कंपनी ने सोमवार को अपनी सात सीट वाली एसयूवी अल्काजार का नया संस्करण पेश किया और कहा कि देश में एसयूवी की बिक्री में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। हुंडई मोटर के इंडिया के प्रबंध निदेशक उन्सू किम ने यहां पत्रकारों से कहा '' जैसे-जैसे भारत में एसयूवी के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रहा है, हमारी एसयूवी पहुंच भी बढ़ती जा रही है। वर्तमान में हमारी एसयूवी पहुंच 67 प्रतिशत है, जो उद्योग के औसत 53 प्रतिशत से कहीं अधिक है।'' किम ने कहा कि कंपनी की मध्यम आकार की एसयूवी क्रेटा) जिसका नवीनतम संस्करण इस वर्ष की शुरुआत में पेश किया गया था) पहले ही एक लाख इकाई की बिक्री का आंकड़ा पार कर चुकी है। किम ने कहा कि वाहन विनिर्माता टिकाऊ और सुविधाजनक परिवहन समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। नई अल्काजार के पेट्रोल और डीजल दोनों संस्करण मौजूद है। पेट्रोल संस्करण की कीमत (दिल्ली, शोरूम) 14.99 लाख रुपये से, जबकि डीजल संस्करण की कीमत 15.99 लाख रुपये से शुरू होती है।

- कंपनी की कुल बिक्री में एसयूवी की हिस्सेदारी 67 प्रतिशत

नया कारोबार प्रीमियम अगस्त में 22% बढ़ा

नई दिल्ली। जीवन बीमा कंपनियों की अगस्त में नई पॉलिसी की बिक्री से अर्जित प्रीमियम आय 22 प्रतिशत बढ़कर 32,644 करोड़ रुपये हो गई। उद्योग निकाय 'जीवन बीमा परिषद' की तरफ से जारी मासिक आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 के पहले पांच महीनों में बीमा कंपनियों का नया कारोबार प्रीमियम संग्रह 21 प्रतिशत बढ़कर 1,54,194 करोड़ रुपये हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 1,27,661 करोड़ रुपये था। इन आंकड़ों से पता चलता है कि नए पॉलिसी से अर्जित प्रीमियम आय बढ़कर अगस्त में 32,644 करोड़ रुपये हो गई जबकि अगस्त, 2023 में यह 26,788.55 करोड़ रुपये थी। इस साल अबतक का प्रीमियम संग्रह पिछले साल के 1,27,661 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,54,194 करोड़ रुपये हो गया। व्यक्तिगत उपभोक्ताओं और कॉरपोरेट ग्राहकों की ओर से बीमा सुरक्षा की मांग लगातार बने रहने के बावजूद अगस्त, 2024 में नई पॉलिसी जारी करने की संख्या 1.44 प्रतिशत घटकर 23,94,007 रह गई।

ईवी सब्सिडी के बिना भी लागत बनाए रख सकते हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि लिथियम आयन बैटरी की कीमतों में गिरावट से इलेक्ट्रिक वाहन अब बिना सब्सिडी के भी अपनी लागत बरकरार रख सकते हैं।

- केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा, लेकिन प्रोत्साहन का विरोध नहीं

हा लां कि , यह वित्त तथा भारी उद्योग मंत्रालयों को तय करना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए या नहीं। ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के वार्षिक सत्र में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि दो वर्ष के भीतर इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत पेट्रोल तथा डीजल वाहनों के बराबर हो जाएगी। भारत में इलेक्ट्रिक परिवहन अपनाने की दर अपेक्षा के अनुरूप न होने के कारण इसे बढ़ावा देने के लिए अधिक प्रोत्साहन की आवश्यकता पर किए सवाल पर गडकरी ने कहा, '' सबसे पहले, मैं किसी सब्सिडी के खिलाफ नहीं हूं। मुझे कोई समस्या नहीं है।''

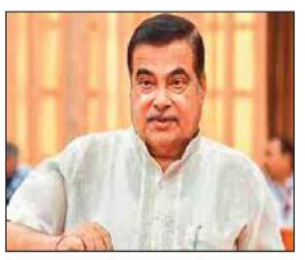

लागत दो साल में बराबर हो जाएगी

गडकरी ने कहा, '' मुझे लगता है कि दो साल के भीतर पेट्रोल वाहन तथा डीजल वाहन की लागत इलेक्ट्रिक के बराबर हो जाएगी, क्योंकि पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों पर बचत हो रही है।'' इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के मुद्दे पर गडकरी ने कहा कि यदि वित्त मंत्री और भारी उद्योग मंत्री सब्सिडी देना चाहते हैं तो यह मोटर वाहन उद्योग के लिए फायदेमंद होगा।

भारत विश्व में नंबर एक वाहन विनिर्माण केंद्र बन सकता है

केंद्रीय मंत्री ने कहा, '' मुझे कोई समस्या नहीं है। मैं इसका विरोध नहीं करूंगा।'' मंत्री ने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि भारत विश्व में नंबर एक मोटर वाहन विनिर्माण केंद्र बन सकता है और कहा कि इस उद्योग का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, '' मेरा मानना है कि हमें भारत को दुनिया में नंबर एक मोटर वाहन विनिर्माण केंद्र बनाना चाहिए।''

उद्देश्य, खुलासा करने संबंधी नियमों के पालन से बचना

सेबी के नियमों से बचने कुछ एफपीआई ने एसएटी चुना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी के समक्ष अंतिम लाभकारी स्वामित्व (बीओ) का खुलासा करने संबंधी नियमों का पालन करने से बचने के लिए कुछ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने (एफपीआई) कानूनी विकल्प चुना है। मानदंडों का पालन करने की समयसीमा सोमवार को समाप्त हो रही है। मॉरीशस स्थित दो एफपीआई एलटीएस इन्वेस्टमेंट फंड और लोटस ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ने विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए मानदंडों का पालन करने से तत्काल राहत पाने के लिए कथित तौर पर प्रतिभूति अपीलीय अधिकरण (एसएटी) का रुख किया है।

- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक चुन रहे है कानूनी विकल्प

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में दो एफपीआई का जिक्र

अमेरिकी निवेश एवं शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की अदाणी समूह पर जनवरी 2023 में जारी रिपोर्ट में इन दो एफपीआई का जिक्र था। इन दो एफपीआई ने एसएटी से अनुरोध किया है कि वह भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को इन नियमों का पालन करने के लिए और समय देने का निर्देश दे। सेबी ने विस्तृत स्वामित्व प्रकटीकरण उपलब्ध कराने में विफल रहने वाले एफपीआई के लिए अपनी अतिरिक्त 'होल्डिंग्स' को बेचने तथा उल्लंघनों को सुधारने के लिए नौ सितंबर तक का समय दिया है।

एफपीआई ने मार्च 2025 तक का समय मांगा

'जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज' के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी. के. विजयकुमार ने कहा, '' भले ही सेबी की समयसीमा सोमवार नौ सितंबर को समाप्त हो रही है, लेकिन पता चला है कि दो एफपीआई ने इन मानदंडों को पूरा करने के लिए मार्च 2025 तक का समय मांगते हुए अपीलीय न्यायाधिकरण एसएटी का रुख किया है। इस पर एसएटी के फैसले का इंतजार है।''

बाजार पर कोई असर नहीं पड़ेगा

विजयकुमार ने कहा, '' अगर फैसला उनके पक्ष में आता है, तो इसका बाजार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अन्यथा इन एफपीआई की ओर से कुछ बिकवाली का दबाव हो सकता है, जिसका बाजार पर मामूली असर हो सकता है। सेबी द्वारा इन मानदंडों को लागू करना एक स्वस्थ तथा वांछनीय प्रवृत्ति है, जो एफपीआई निवेश को पूरी तरह से पारदर्शी बनाएगी।''

यूपी में 69 हजार शिक्षकों की भर्ती का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहबाद हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक योगी सरकार से मांगा जवाब, अगली सुनवाई 23 सितंबर को

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें उच्च न्यायालय ने यूपी सरकार से 69 हजार सहायक शिक्षकों की नई लिस्ट तैयार करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने जून 2020 और जनवरी 2022 में जारी यूपी के शिक्षकों की चयन सूचियों को रद्द करने के आदेश पर भी रोक लगा दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूपी में 69 हजार शिक्षक भर्ती के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने यूपी सरकार से भी इस संबंध में जवाब मांगा है। अब इस केस पर अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी।

तब तक यूपी सरकार और अन्य पक्षकारों को अपनी दलीलें पेश करनी होगी। हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्र की पीठ ने रवि कुमार सक्सेना व अन्य 51 द्वारा दाखिल की गई याचिका पर यूपी सरकार यूपी बेसिक शिक्षा बोर्ड के सचिव को नोटिस जारी किया है। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने सभी इस संबंध में सात पन्नों में अगली सुनवाई पर जवाब दाखिल करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी बेसिक शिक्षा बोर्ड के सचिव को नोटिस जारी किया

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सात पन्नों में जवाब दाखिल करने को कहा

आरक्षण की अनदेखी का आरोप

बता दें, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में 69 हजार शिक्षक भर्ती के मामले में आरक्षण की अनदेखी के आरोप लगाते हुए याचिका दाखिल की गई थी। मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने सहायक शिक्षक भर्ती-2019 में चयनित 69 हजार अभ्यर्थियों की सूची को रद्द कर नई सूची बनाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने 1 जून 2020 और 5 जनवरी 2022 की चयन सूचियां को दरकिनार कर नियमों के तहत तीन माह में नई चयन सूची बनाने के निर्देश दिए। सरकार व अन्य संबंधितों को आदेश दिया गया कि तीन माह में नई सूची जारी कर दी जाए। हाईकोर्ट ने कहा नई चयन सूची बनाते समय यदि वर्तमान में कार्यरत किसी सहायक शिक्षक पर विपरीत असर पड़ता है तो मौजूदा सत्र का लाभ दिया जाए ताकि छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो।

1994 के मुताबिक आरक्षण नीति का पालन किया जाए

कोर्ट ने कहा था कि नई चयन सूची में 1981 के नियम के तहत आरक्षण अधिनियम 1994 के मुताबिक आरक्षण नीति का पालन किया जाए। अगर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी की मेरिट सामान्य श्रेणी के बराबर आए तो वह सामान्य श्रेणी में आ जाएगा। इन निर्देशों के तहत ऊपरी क्रम में आरक्षण दिया जाएगा। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि सूची तैयार करने में अगर कोई कार्यरत अभ्यर्थी प्रभावित हो तो राज्य सरकार या सक्षम प्राधिकारी उसे सत्रांत का लाभ प्रदान करेंगें। जिससे इसका खामियाजा विद्यार्थियों को न भुगतना पड़े। कोर्ट ने इन निर्देशों के अनुसार एकल पीठ के आदेश व निर्देशों को संशोधित कर दिया। इस मामले में 69 हजार प्राथमिक सहायक शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण के विवाद के मुद्दे उठाए गए थे।

खबर संक्षेप

दिल्ली में पटाखों के निर्माण व बिक्री पर बैन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक जनवरी तक पटाखों के उत्पादन,

भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पिछले साल की तरह इस बार भी दिल्ली में पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। 1 जनवरी 2025 तक पटाखों की ऑनलाइन बिक्री और डिलीवरी पर बैन रहेगा।

बजरंग और विनेश का इस्तीफा मंजूर किया

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट के इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। दोनों

ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से पहले अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उत्तर रेलवे ने शनिवार को ही विनेश और बजरंग के इस्तीफों को स्वीकार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। एक अधिकारी ने बताया था कि हमने उनके मामलों में मानदंडों में ढील देने का फैसला किया है।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मीडिया सम्मेलन 11 सितंबर से

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ और विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन 11 सितंबर को दूसरे

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मीडिया सम्मेलन का आयोजन करने जा रहे हैं। जिसका विषय 'टकराव से बचने और सतत विकास के लिए विचारशील संचार' है। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया सम्मेलन में मुख्य अतिथि होंगे।

शराब घोटाले में दो और आरोपियों को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में दो और आरोपियों को जमानत मिल गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने

शराब कारोबारी समीर महेंद्र और आम आदमी पार्टी (आप) के वॉलंटियर चनप्रीत सिंह को कथित घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत दी है। ईडी ने चनप्रीत को 12 अप्रैल 2024 को और समीर महेंद्रू को 28 सितंबर 2022 को गिरफ्तार किया था।

वीडियो देखकर 'झोलाझाप' ने की सर्जरी, हुई मौत

छपरा। बिहार के सारण जिले में एक 'झोलाछाप' चिकित्सक द्वारा कथित तौर पर यूट्यूब वीडियो

देखकर पित्ताशय से पथरी निकालने की सर्जरी किए जाने के बाद एक किशोर की मौत हो गई। सारण के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार आशीष ने बताया कि आरोपी चिकित्सक अजीत कुमार पुरी को रविवार रात गोपालगंज जिले से गिरफ्तार कर लिया गया।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट की सख्त चेतावनी

आज शाम पांच बजे तक डॉक्टर काम पर नहीं लौटे तो राज्य सरकार कर सकती है कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोलकाता में चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले से संबंधित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले की जांच को लेकर स्टेटस रिपोर्ट पेश की। बंगाल सरकार ने भी कोर्ट को स्थिति रिपोर्ट सौंपी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है।

इसमें बताया गया है कि जब डॉक्टर काम नहीं कर रहे थे, तब 23 लोगों की मौत हो गई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने सीबीआई से नई स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने जांच एजेंसी को एक हफ्ते का समय दिया है। इसके बाद कोर्ट ने मामले पर सुनवाई 17 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने याद दिलाया कि उसने डॉक्टरों के काम पर लौटने के बाद उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने टिप्पणी की है कि अब भी अगर वे काम पर नहीं लौटते हैं तो हम राज्य सरकार को कार्रवाई करने से नहीं रोक सकते हैं। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता गीता लूथरा ने जवाब दिया कि डॉक्टरों को धमकाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों से कल (10 सितंबर) शाम 5 बजे तक काम पर लौटने को कहा। कोर्ट ने आश्वासन दिया कि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि अगर काम से लगातार दूर रहना जारी रहा तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

डॉक्टरों बोलेः कोई सीनियर हड़ताल पर नहीं,जूनियर डरे हुए

राज्य सरकार का आरोप डॉक्टरों के न आने से 23 लोगों की हुई मौत

तृणमूल ने न्यायालय के निर्देश की सराहना की

तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की सराहना की और कहा कि चिकित्सकों का प्रथम कर्तव्य लोगों की जान बचाना है और इससे समझौता नहीं किया जा सकता है। तृणमूल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रदर्शन कर्तव्य की कीमत पर नहीं हो सकते- भारत के प्रधान न्यायाधीश, हम आगे आने और उन चिकित्सकों को कल शाम पांच बजे तक ड्यूटी पर लौटने का निर्देश देने के लिए उच्चतम न्यायालय का आभार जताते हैं, जो आरजी कर घटना को लेकर ड्यूटी से अनुपस्थित रहे हैं। एक चिकित्सक का परम कर्तव्य लोगों की जान बचाना है और इस प्रतिबद्धता से समझौता नहीं किया जा सकता है। हम उनसे विनमतापूर्वक आग्रह करते हैं कि वे जरूरतमंद लोगों की देखभाल करने की अपनी पवित्र शपथ का पालन करें।

विनीत गोयल ने इस्तीफे की पेशकश की

ममता बेनर्जी ने कहा कि कि कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने प्रदर्शनों के बाद इस्तीफे की पेशकश की है लेकिन 'हमें दुर्गा पूजा के मद्देनजर ऐसे किसी व्यक्ति की जरूरत है जिसे कानून एवं व्यवस्था की समझ हो।' बता दें, बता दें, ममता के पास गृह विभाग का भी प्रभार है। उन्होंने जूनियर चिकित्सकों से जल्द से जल्द ड्यूटी पर लौटने का भी अनुरोध किया। साथ ही लोगों से दुर्गा पूजा नजदीक होने पर 'उत्सवों की ओर लौटने' का अनुरोध किया।

मैंने पैसों की पेशकश नहीं की

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने कहा कि मैंने मृतक चिकित्सक के परिवार को कभी पैसों की पेशकश नहीं की, यह बदनाम करने के अलावा और कुछ नहीं है। मैंने उनसे कहा कि अगर वे अपनी बेटी की याद में कुछ करना चाहते हैं तो हमारी सरकार उनके साथ है। मैं जानती हूं कि कब, क्या बोलना है।

केंद्र की साजिश में वामपंथी दल शामिल

सीएम ममता बेनर्जी ने सोमवार को राज्य सचिवालय नबान्न में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक में आरोप लगाया कि यह (आरजी कर घटना के बाद जन आक्रोश प्रदर्शन) निश्चित रूप से केंद्र की साजिश है और कुछ वामपंथी दल भी इसमें शामिल हैं। कुछ लोग पड़ोसी देश में उथल-पुथल का फायदा उठा रहे हैं। वे भूल गए हैं कि भारत और बांग्लादेश अलग राष्ट्र हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को दिए निर्देश, सुरक्षा के लिए उठाए जरूरी कदम

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया है कि सरकार डॉक्टरों में असुरक्षा की भावना को कम करने के लिए जरूरी कदम उठाए। डॉक्टरों की ओर से कोर्ट को बताया गया कि कोई सीनियर डॉक्टर हड़ताल पर नहीं है। जूनियर डॉक्टर अभी भी काम पर नहीं लौटे हैं, क्योंकि वो डरे हुए हैं। उन्हें धमकियां मिल रही हैं। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि डॉक्टरों की हड़ताल की वजह से अब तक 23 मरीजों की मौत हो चुकी है। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोर्ट को बताया कि डॉक्टर अभी भी हड़ताल पर हैं। 6 लाख लोग इलाज से महरूम हैं। लोग इलाज के अभाव में मर रहे हैं।

दिल्ली में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

इंजीनियर को रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ा, 2.39 करोड़ बरामद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय एजेंसी सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के एक सीनियर पर्यावरण इंजीनियर को रिश्वत मामले में गिरफ्तारी के बाद एक बड़ी सफलता लगी है।

सीबीआई ने इंजीनियर के घर से से 2.39 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की है। उसे 91,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। सीबीआई ने भ्रष्टाचार के मामले में 6 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है, जिनमें से दो को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई है। सीबीआई ने रविवार को सीनियर पर्यावरण इंजीनियर, डीपीसीसी, दिल्ली और 4 निजी व्यक्तियों के

खिलाफ एक मामला दर्ज किया था। आरोप है कि सीनियर पर्यावरण इंजीनियर ने निजी फर्मों के प्रतिनिधियों से रिश्वत लेकर उन्हें गैरकानूनी तरीके से फायदा पहुंचाया है। सीबीआई ने आरिफ, किशलय सिंह और उसके पिता, बिचौलिए भागवत शरण सिंह और दो व्यापारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। व्यापारियों में राम इलेक्ट्रोप्लेटर्स का मालिक राज कुमार चुघ और एमवीएम के गोपाल नाथ कपूरिया शामिल है।

पहले से लेता रहा है रिश्वत

सीबीआई का आरोप है कि आरिफ रिश्वत के मामले शामिल रहा है। वह प्राइवेट कंपनियों के प्रतिनिधियों से उनकी फर्मों के लिए डीपीसीसी की सहमति के लिए रिश्वत लेता रहा है। आरिफ ने कथित तौर पर भगवत शरण सिंह के साथ साजिश रची, जिन्होंने डीपीसीसी से संबंधित मामलों में फर्मों के लिए बिचौलिए और सलाहकार के रूप में काम किया। बिचौलिया आरिफ के निर्देश पर फर्मों से रिश्वत इकट्ठी करता था और उसे एक नियमित अंतराल पर सौंपता था।

निजी फर्मों को पहुंचाता था लाभ

इन आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने निजी फर्मों के रिप्रेजटेटिव से रिश्वत लेकर उन्हें अवैध तरीके से लाभ पहुंचाया है। सीबीआई ने जाल बिछाया और सीनियर पर्यावरण इंजीनियर और मीडिएटर के बेटे को 91,500 रुपए की रिश्वत की राशि का आदान-प्रदान करते हुए रंगे हाथों पकड़ा लिया। सीबीआई ने आरोपियों के घरों पर छापेमारी की गई, जिससे वरिष्ठ पर्यावरण इंजीनियर के परिसर से 2.39 करोड़ रुपये (लगभग) की नकदी और कुछ संपत्ति दस्तावेज बरामद हुए।

संजय राउत का अजित पर निशान

पश्चाताप करने से बारामती का चुनाव जीतने में अब नहीं मिलने वाली मदद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का अपने कुछ राजनीतिक कदमों पर पश्चाताप करने का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता को आगामी विधानसभा चुनाव में अपने गृह क्षेत्र बारामती से हार का सामना करना पड़ेगा। राउत ने कहा कि शरद पवार और उनकी पार्टी के साथ उन्होंने जो किया, उसका पश्चाताप करने का कोई मतलब नहीं है।

अजित पवार निश्चित रूप से बारामती विधानसभा चुनाव हारेंगे। अजित पवार ने राकांपा और पवार परिवार के भीतर ही फूट पैदा कर दी। यहां तक कि उन्होंने उनकी (शरद पवार की) पार्टी और चुनाव चिह्न भी छीन लिया। उन्होंने अपने चाचा की पीठ में छुरा घोंपा जो उसके लिए पिता तुल्य हुआ करते थे।

गुजरात ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

1067 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन कर रचा नया इतिहास

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

इस बार अच्छे मानसून के चलते गुजरात में पानी की भरपूर आवक रही, जिसके कारण राज्य के बांध पानी से लबालब हो चुके हैं।

इसके कारण हाइड्रो पावर स्टेशन से रिकार्ड बिजली का उत्पादन हो रहा है। उकाई, कडाणा और सरदार सरोवर जैसे गुजरात के बड़े बांधों से अगस्त-2024 में 1067.3 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली का उत्पादन हुआ है। जुलाई में बिजली के उत्पादन का आंकड़ा 308.7 मिलियन यूनिट था। वहीं दूसरी ओर सरदार सरोवर (रिवरबेड

पावर हाउस-आरबीपीएच) और सरदार सरोवर (कैनाल हेड पावर हाउस-सीएचपीएच) से अगस्त महीने में कुल 891 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन हुआ है। वहीं, उकाई, कडाणा, पानम और सरदार सरोवर बांध से पिछले 5 वर्षों में औसतन 4600 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन देखने को मिला है।

गणपति बप्पा मोरया

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुंबई में प्रसिद्ध लालबागचा राजा गणेश पंडाल जा कर गणेश भगवान के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। शाह के साथ महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस भी थे।

यूएस में राहुल ने भाजपा और आरएसएस पर साधा निशाना, कहा

चुनाव नतीजे आते ही भाजपा और पीएम का डर कम हुआ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के डलास में टैक्सास यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर भी निशाना साधा।

राहुल गांधी ने कहा कि हमने देखा कि चुनाव परिणाम के तुरंत बाद, कुछ ही मिनटों में, भारत में कोई भी भाजपा या भारत के पीएम से नहीं डरता था। यह लड़ाई चुनाव में और भी साफ हो गई, जब भारत के लाखों लोगों को यह समझ में आ गया कि भारत के प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) हिंदुस्तान के संविधान पर हमला कर रहे हैं। मैंने आपसे जो भी कहा है, वह सब संविधान में है। उन्होंने कहा कि आरएसएस का मानना है कि भारत एक विचार है और हमारा मानना है कि भारत विचारों की बहुलता है। हमारा मानना है कि सभी को भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए, ख्वाब देखने की अनुमति दी जानी चाहिए और उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या इतिहास की परवाह किए बिना उन्हें स्थान दिया जाना चाहिए। भाजपा और आरएसएस का मानना है कि महिलाओं को पारंपरिक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा जाना चाहिए- घर पर रहना, खाना बनाना और कम बोलना। हमारा मानना है कि महिलाओं को वह सब करने की आजादी होनी चाहिए, जो वे करना चाहती हैं।

देशद्रोही को आरएसएस समझ नहीं आ सकता

राहुल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि आरएसएस को जानने के लिए राहुल गांधी को कई जन्म लेने पड़ेंगे। कोई देशद्रोही आरएसएस को नहीं जान सकता। जो विदेशों में जाकर देश की निंदा करे वो आरएसएस को नहीं जान सकता। लगता है कि राहुल गांधी भारत को बदनाम करने के लिए ही विदेश जाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं बार-बार कह रहा हूं कि राहुल गांधी इस जन्म में आरएसएस को नहीं समझ पाएंगे, क्योंकि यह संगठन भारतीय संस्कार और संस्कृति से पैदा हुआ है।

कांग्रेस ने ही आपातकाल लगवाया

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने ही आपातकाल लगाया था और संविधान की प्रस्तावना को बदला था, लेकिन अब वह संविधान की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 को वापस लाने का वादा किया है। उन्होंने सवाल किया कि वे अपना रुख स्पष्ट करें कि क्या वे जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 के साथ हैं या डॉ. बीआर आंबेडकर के संविधान के साथ।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन ने साधा निशाना

मणिपुर में पीएम मोदी की विफलता माफी योग्य नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मणिपुर में हिंसा की नई लहर के बीच कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर में घोर विफलता माफी के लायक नहीं है।

पीएम मोदी ने मणिपुर में पिछले 16 महीनों में एक पल भी नहीं बिताया। जबकि राज्य में लगातार हिंसा हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पीएम मोदी की तरह मणिपुर में सुरक्षा सुनिश्चित करने की संविधानिक जिम्मेदारी छोड़ दी है और चुनावी राज्यों में

रैलियों में व्यस्त हैं। खरगे ने उन्होंने मणिपुर के सीएम पर भी आरोप लगाया कि वह अपनी विफलता को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि मणिपुर के सीएम को तुरंत बर्खास्त किया जाए और सभी उग्रवादी समूहों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मोः 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)